

इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण "सो आग्राम नैवे, रावै रा वेवे" !!

आर.एन.आई.नं. 58841/93 डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

धमाका
ई रिक्शा के क्षेत्र में आलफाईन लाए है...
SINE WAVE TECHNOLOGY से प्रति चार्जिंग 200 KM चलने वाला भारत का पहला ई-रिक्शा
7 वर्षों से ई रिक्शा बैटरी, स्पेयरस पार्ट्स एवं बेहतरीन गुणवत्ता के लिए....

गणेश ट्रेडिंग, रामाधीन मार्ग, राजनादागांव, 70004 70280
* नंदई मोहारा रोड़ 7999898741 * चैरागढ़ (धमाका रोड़) 9425500166

मंत्री-विपक्षी सांसदों में हाथापाई की नौबत, लोकसभा में बजट पर चर्चा के दौरान संग्राम

नई दिल्ली। सरकार और विपक्ष के बीच चुनावी नतीजों से बदले समीकरण की सियासी तपिश संसद में अब आक्रामक रूप में सामने आने लगी है। लोकसभा में बजट पर चर्चा के दौरान गुरुवार को रेल व खाद्य प्रसंस्करण राज्यमंत्री रवीन्द्र सिंह बिट्टू और कांग्रेस सांसद व पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बीच हुई तकरार में इसका सबसे आक्रामक स्वरूप दिखा।

दोनों के बीच शब्दों की तकरार आर पाक की ताल ठोकने के मुहाने तक पहुंच गई। मंत्री बिट्टू हाथ लहराते हुए अपनी सीट से उठकर देख लेने के अंदाज में विपक्षी सांसद चन्नी से भिड़ने के लिए वेल की ओर दौड़ पड़े। विपक्षी सांसद भी मंत्री का मुकाबला करने के लिए सामने आकर उठ गए और भारी हंगामे के बीच हाथापाई की नौबत को टालने के लिए सदन को स्थगित करना पड़ा।

केंद्र की नीतियों पर हमलावर हुए चन्नी

लोकसभा में दोपहर एक बजे बजट चर्चा को आगे बढ़ाते हुए कांग्रेस सांसद चन्नी ने मोदी सरकार की नीतियों और कार्यशैली पर तीखे हमले शुरू कर दिए। चन्नी ने कहा कि सत्ता पक्ष आपातकाल की बात करता है, लेकिन विपक्षी



सांसदों, किसानों के साथ जो व्यवहार हो रहा है, वह भी तो आपातकाल है। इसी दौरान उन्होंने जेल में बंद खजूर साहिब के सांसद अमृतपाल का नाम लिए बगैर कहा कि 20 लाख लोगों के प्रतिनिधि को बोलने का अवसर नहीं मिल रहा है, यह भी आपातकाल है।

बिट्टू ने चन्नी पर लगाए कई गंभीर आरोप

बिट्टू ने अंग्रेजों से तुलना के जवाब में कांग्रेस की सर्वोच्च नेता सोनिया गांधी के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी कर डाली और चन्नी के खिलाफ भी भ्रष्टाचार से लेकर कई

रक्षा मंत्री ने किया बीच-बचाव

टकराव की नौबत आती देख सत्ता पक्ष की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा कुछ अन्य भाजपा सदस्यों ने तत्काल बिट्टू को पकड़कर समझाते हुए पीछे खींचा। नेता विपक्ष राहुल गांधी भी अपने सांसदों को शांत होने का इशारा करते दिखे। हंगामे को आम्ने-सामने के संग्राम में तब्दील होने की नौबत आते देख पीठपिठी पदाधिकारी संघा राय ने तत्काल सदन दो बजे तक स्थगित कर दिया। हालांकि, सदन में गरमागरमी का माहौल तब भी रहा और कुछ ही क्षण में स्पीकर ओम बिरला आसन पर आकर दोनों पक्षों को नियंत्रित करने का प्रयास करने लगे। मगर जैसे ही सदन स्थगन की जानकारी उन्हें दी गई तो वे अपने चैंबर में चले गए, जहां पक्ष-विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं ने यह टकराव खत्म करने की पहल की।

तर्ह के आरोप जुड़े। इससे बड़े हंगामे के बीच बिट्टू इतने आवेश में आ गए कि कमीज की बाजू चढ़ाते हुए चन्नी से दो-दो हाथ करने के अंदाज में तेज कदमों से वेल तक पहुंच गए। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

बजट में कटौती कर शिक्षा व्यवस्था को नष्ट करना चाहती है भाजपा और आरएसएस -मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को साल 2024-25 का बजट पेश किया, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट था। गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा-आरएसएस पर भारत की शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने का आरोप लगाया लगाया है।

भाजपा-आरएसएस ने की शिक्षा के बजट में 9600 करोड़ की कटौती

खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भाजपा-आरएसएस भारत के शिक्षा क्षेत्र में कटौती कर इसे नष्ट करना चाहती है!

उच्च शिक्षा के बजट में 9,600 करोड़ की भारी कटौती की गई है। अंतरिम बजट में भी



इसमें 16.38 प्रतिशत की कटौती की गई है। आईआईटी और आईआईएम के बजट में लगातार दूसरे साल कटौती की गई है। यूजीसी के बजट में 61 प्रतिशत की भारी कटौती की गई है।

मोदी सरकार ने यूजीसी की शक्ति छीन ली

उन्होंने आगे लिखा, यूजीसी एक वैधानिक निकाय है, और इसे देश में एकमात्र अनुदान देने वाली एजेंसी माना जाता था, लेकिन मोदी सरकार ने इसकी शक्ति छीन

ली है, जिससे इसकी स्वायत्तता खत्म हो गई है। यूजीसी की 'अनुदान' निधि की कार्यप्रणाली को उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (एचईएफए) ने हड़प लिया है, जो केनरा बैंक और शिक्षा मंत्रालय के बीच एक उद्यम है। यह न केवल कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को अधिक स्व-वित्तपोषण कार्यक्रम शुरू करने के लिए मजबूर करेगा, बल्कि एएससी, एसटी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस छात्रों की वित्तीय समस्याओं को भी बढ़ाएगा।

शिक्षा प्रणाली पर मोदी सरकार का पांच तरफा हमला जारी

भारत की शिक्षा प्रणाली पर मोदी सरकार का पांच तरफा हमला जारी है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल : नक्सल पीड़ित परिवारों के परिजनों को मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति, पहले चरण में 58 लोग पाए गए पात्र

रायपुर। नक्सल हिंसा में मृतक आवेदकों को प्रथम चरण में अनुकंपा नियुक्ति दी जाएगी। पहले जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा करते हुए 19 जुलाई तक साय की पहल पर राज्य के सभी वर्गों के विकास के लिए कल्याणकारी योजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन कर लाभांशित किया जा रहा है। आज बीजापुर जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की बैठक में नक्सल पीड़ित परिवारों के 58 लोगों को अनुकंपा नियुक्ति देने का निर्णय लिया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र यादव ने बताया कि, अनुकंपा नियुक्ति के लिए कुल 58 पात्र



गुजरात में बाढ़ के हालात: 8 लोगों की गई जान, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ अलर्ट मोड पर

वडोदरा। गुजरात इन दिनों भारी बारिश की चपेट में है। यहां पिछले 3-4 दिनों से तेज बारिश का दौर जारी है। कई जिलों में बाढ़ जैसे भी हालात बन गए हैं। वहीं बारिश की वजह से 8 लोगों की जान चली गई है। कई स्कूलों-कॉलेजों की भी छुट्टी कर दी गई है। वहीं प्रदेश के अंदर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम को अलर्ट पर रखा गया है।

गुजरात में इन दिनों वडोदरा, सुरत, भरूच और आणंद समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक सिर्फ वडोदरा में 24 घंटे के अंदर 13.5 इंच बारिश हुई है। वडोदरा के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। हालांकि एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीम मदद से बाढ़ में



फंसे निचले इलाकों के लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है। गुजरात के कई जिलों में भारी बारिश की वजह से स्कूल और कॉलेजों की छुट्टी कर दी गई है। जिससे किसी प्रकार की कोई अनहोनी न हो सके। वहीं प्रशासन द्वारा लगातार एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम लगाकर निचले इलाकों में फंसे लोगों पर ध्यान रखा जा रहा है। इतना ही नहीं बारिश की वजह से कई जगहों पर ट्रेन सर्विस भी बाधित हुई है।

बारिश का रेड अलर्ट

मौसम विभाग ने गुरुवार यानी 25 जुलाई को गुजरात में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके साथ ही इन वहां रेड अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने कोकण, गोवा, सौराष्ट्र और कच्छ में भी भारी बारिश की संभावना जताई है।

कई प्रदेशों में होगी भारी बारिश

गुजरात में भारी बारिश की वजह से 24 जुलाई को आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं मौसम विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, बारिश के कारण अब तक मरने वालों की संख्या 61 हो गई है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने 28 जुलाई तक कई प्रदेश जैसे हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, 25 जुलाई को पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में, 27 जुलाई तक यूपी में भारी बारिश की संभावना जताई है।

खनिजों पर टैक्स के मामले में SC का ऐतिहासिक फैसला, बंगाल, झारखंड और एमपी समेत 6 राज्यों को होगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने खदान, खनिज संपन्न राज्यों को भारी राजस्व के प्रोत्साहन वाला ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने आठ-एक के बहुमत से दिये फैसले में कहा है कि राज्यों को खदानों और खनिज वाली भूमि व खनिज अधिकारों पर कर लगाने का अधिकार है। राज्यों के पास ऐसा करने की विधायी क्षमता और शक्ति है।

शीर्ष अदालत ने खनिज, खदानों के मामले में कर व्यवस्था पर व्यापक प्रभाव वाले फैसले में कहा है कि रॉयल्टी को कर नहीं माना जा सकता। इस फैसले से खनिज, खदान संपन्न राज्य ओडीशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान को फायदा होगा।

हालांकि फैसले को पूर्व प्रभाव से लागू माना जाएगा या फैसले की तारीख से लागू माना जाएगा इस पर कोर्ट बुधवार को सुनवाई करेगा।

होता है। कोर्ट ने कहा कि रॉयल्टी और डेड रेंट (खनिज भूमि की तय न्यूनतम राशि जिसका भुगतान खनन पट्टा लेने वाला सरकार या भूस्वामी को करता है) दोनों ही टैक्स की विशेषताओं को पूरा नहीं करते। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिये बहुमत के फैसले में 1989 के इंडिया सीमेंट मामले में रॉयल्टी को टैक्स मानने की व्यवस्था देने वाले फैसले को खारिज कर दिया है।

राज्यों को खनिज अधिकारों पर टैक्स लगाने का अधिकार

बहुमत के इस फैसले को अगर बहुत साधारण शब्दों में समझा जाए तो अर्थ निकलता है कि राज्यों को खनिज अधिकारों और खदानों की भूमि पर कर लगाने का अधिकार है। खदान एवं खनिज (विकास एवं नियंत्रण) कानून 1957 की धारा 9 के तहत लगने वाली रॉयल्टी टैक्स नहीं है उसकी प्रकृति टैक्स की नहीं होती। यानी इससे राज्य सरकार का टैक्स लगाने का अधिकार प्रभावित नहीं होता न ही सीमित होता है।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सुनया फैसला

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और सात अन्य न्यायाधीशों रूचिकेश राय, अभय एस ओका, जेबी पांडेवाला, मनोज मिश्रा, उज्ज्वल भुशुआ, सतीश चंद्र शर्मा और अस्टीन जार्ज महीन ने बहुमत का फैसला दिया है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

सीएम अरविंद केजरीवाल को राहत नहीं, न्यायिक हिरासत आठ अगस्त तक बढ़ी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। राज जेम्स कोर्ट ने कथित शराब घोटाले से जुड़े कथान के मामले में उनकी न्यायिक हिरासत 8 अगस्त तक बढ़ा दी है। इसके अलावा अदालत ने शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और बीआरएस नेता के कविता की न्यायिक हिरासत भी 31 जुलाई तक बढ़ा दी है। जानकारी के लिए बता दें कि आज (25 जुलाई) अरविंद केजरीवाल की हिरासत खत्म हो रही थी। सीबीआई ने 55 वर्षीय आप नेता को 26 जून को गिरफ्तार किया था। उनकी पत्नी आज तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई थी। सीबीआई ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पर आ कथित शराब घोटाले से जुड़े मामले में 'मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक' होने का आरोप लगाया है। एजेंसी ने दवा किया कि आप के पूर्व मीडिया प्रभारी और केजरीवाल के करीबी



कांग्रेस सरकार में सोलर लाइट खरीदी की विधानसभा समिति करेगी जांच, मंत्री रामविचार नेताम ने सदन में की घोषणा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के दौरान आदर्श ग्राम योजना के तहत सोलर लाइट खरीदी की जांच होगी। मंत्री रामविचार नेताम ने छत्तीसगढ़ विधानसभा मानसून सत्र के चौथे दिन गुरुवार को इसकी घोषणा की। मंत्री नेताम ने कहा, विधानसभा समिति सोलर लाइट खरीदी की जांच करेगी।

कांकेर जिले में सोलर लाइट लगाने की जो स्वीकृति दी गई है उसमें गड़बड़ी पाई गई और यह भी की दूसरे मद की राशि को सोलर लाइट में खर्च करने की बात सामने आई तो उनकी जांच की



मांग के अनुरूप घोषणा की गई है। बीजेपी विधायक प्रबोध मिंज ने सदन में सवाल पूछा कि सरगुजा जिला में किसानों को जो डायरेक्टर राइस सीडर और मल्टीक्रॉप प्लांटर उपलब्ध कराई गई है, इसकी क्या उपयोगिता है? कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने भाजपा

विधायक के सवाल का जवाब देते हुए बताया कि इसका उपयोग मिट्टी के समतलीकरण और बुवाई के लिए उपलब्ध कराई गई है।

विधायक ने कहा, इन मशीनों में 83 किसानों को लाभ मिलने की बात कही जा रही है। इसमें न रोटावेटर है, न नागर है। ऐसे में 83 किसानों का केवल नाम का जिक्र किया है। इसमें किसी को लाभ नहीं मिल रहा है। मंत्री ने जवाब दिया कि किसानों को सूची उपलब्ध करा देंगे। साथ ही अन्य क्षेत्र के किसानों को भी लाभ मिले इसका प्रयास किया जा रहा है।

होम्योपैथिक चिकित्सक एवं सलाहकार डॉ. विशाल गंगवानी (BHMS, RHSC)

आशीर्वाद डेन्टल क्लीनिक, बसंतपुर रोड, पुराना हॉस्पिटल के सामने, राजनादागांव (छ.ग.)
Mo. 6264277529

समय प्रतिदिन - प्रातः 10 से 2 बजे तक, सायं 4 से 8 बजे तक

होम्योपैथिक चिकित्सा प्रकृति के नियमों पर आधारित पद्धति है जिसमें मरीज को बिना सर्जरी इन्फेक्शन के जटिल विकारों का जड़ से निदान की व्यवस्था है।

विमारियाँ

- बच्चेपानी में गठान
- महलारी की अनियमितता
- ओखरी में सिस्ट
- पुनरावृत्ति डिनआइर
- बच्चों का विस्तर में पेशाब करना
- बच्चों का बहुत हाइपर एक्टिव होना
- माइग्रेन
- पुराना सरदर
- एनर्जिक खूजली
- एनर्जिक सर्दी-खांसी
- टॉनिसलाइटिस
- मानसिक तनाव
- नींद न आना
- किडनी
- अस्थमा
- सोरोएलिस
- पथरी
- ब्लाइण्डर
- मधुमेह
- खडगईड
- सर्वाइटिका

विशेषकर पुराने जटिल एवं असाध्य रोग

होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में सफलता पूर्वक अनुभव को साथ है। इन आज के इस विचारियों के दृष्टि में मरीज की संपूर्ण देहकाय विना किसी इन्फेक्शन के होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति से प्रभावकारी तरीके से करवने हेतु कटिबद्ध है।

ज्या कैंसर अर्वाइवमेंट को द्वारा लिया जाता है।

अन्य मिलनिक चंद्रखुरी - आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम, चंद्रखुरी धाटा (समय प्रति घण्टावार - प्रातः 10 से 2 बजे तक)

छत्तीसगढ़ में एनआईए की दस्तक : 'रेला' नाम से एनजीओ चलाने वाले कलादास डहरिया के घर दी दस्तक

दुर्ग (दावा)। छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा मजदूर कार्यकर्ता समिति के सदस्य कलादास डहरिया से पूछताछ करने एनआईए की टीम आज भिलाई पहुंची। जामुल लेबर कैम्प स्थित कलादास डहरिया के घर एनआईए को टीम पहुंची सीआईएफ जवान और जामुल पुलिस की टीम भी घर के बाहर तैनात रही। जानकारी के अनुसार, इस कार्रवाई नक्सल गतिविधियों से जुड़े होने के शक बताया जा रहा है। लेकिन एनआईए की तरफ से इसकी पुष्टि नहीं की गई है। एनआईए की टीम कलादास की बेटी का लैपटॉप, पेन ड्राइव और (शेष पृष्ठ 6 पर...)

विधानसभा में गुंजा दवा और उपकरण खरीदी में अनियमितता का मामला

रायपुर (दावा)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में मानसून सत्र के दौरान दवा खरीदी और उपकरण खरीदी में अनियमितता का मामला गुंजा। भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक ने ध्यानकर्षण के जरिए दवा खरीदी और उपकरण खरीदी का मुद्दा उठाया, धरमलाल कौशिक ने सदन में कहा कि बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है।

क्या इसकी जांच कराई जाएगी जिसके जवाब में स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि तीन आईएएस अधिकारियों की कमेटी जांच कर रही है, तीन महीने के भीतर जांच कराई जाएगी। छत्तीसगढ़ विधानसभा में धरमलाल कौशिक ने कहा कि सीजीएमएससी ने दवा और मेडिकल उपकरण की खरीदी में जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। एजी ने भी अपनी रिपोर्ट में इस पर आपत्ति जताई थी। नियमों के विरुद्ध बाजार दर से अधिक कीमत पर खरीदी की गई। बिना मांग सरकारी अस्पतालों में जांच कित भेजी गई, तीस से अधिक जिलों में अस्पतालों में बगैर



स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा - आईएएस अधिकारियों की समिति कर रही जांच

डिमांड के रिपॉर्ट भेज दिये गए, लगातार शिकायत के बाद भी अब तक कार्रवाई नहीं हुई। स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि खुली निविदा जारी कर सीजीएमएससी ने दवा और उपकरण की खरीदी की है। एजी रिपोर्ट सामान्य प्रक्रिया है एजी की रिपोर्ट पर विभाग उसका निराकरण करता है। जो खरीदी होती है अन्य राज्यों के

कारपोरेशन की दरों की तुलना कर की जाती है, पिछले तीन सालों में बगैर डिमांड के खरीदी नहीं की गई है, हमर लैब में लगने वाले एनालाइजर और रिपॉर्ट की खरीदी डिमांड आने के बाद ही की गई है। राज्य के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में रिपॉर्ट के खराब होने का आरोप सत्य नहीं है। ऑटो एनालाइजर मशीन की खरीदी कई गुना दर पर खरीदी का आरोप भी सही नहीं है। खुली निविदा कर एल वन प्राप्त होने के बाद ही खरीदी की गई है, भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि ये अर्बों रुपये के घोटाले का मामला है। एजी रिपोर्ट के आधार पर शिकायत किसने की थी किन-किन लोगों के खिलाफ शिकायत हुई थी। स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि सीएजी की ऑडिट सतत चलने वाली प्रक्रिया है। अब तक कुल 25 शिकायत प्राप्त हुई है, इनमें से 15 शिकायतों का निराकरण हो गया है, 10 शिकायतें प्रक्रियाधीन हैं। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

बारिश से शहर की सड़कों का हाल बेहाल, लोगों के कमर तोड़ रहे हैं सड़कों के गड्ढे

गड्ढों में हुआ जल जमाव... आवाजाही में लोगों को हो रही परेशानी, शिवनाथ नदी पुल में गड्ढे व दरार

राजनांदगांव (दावा)। शहर सहित जिले भर में बारिश होने का कारा सप्ताह भर पहले ही हुआ है। इसके पहले तो जेट्टे माह की तरह भीषण गर्मी पड़ रही थी। उस समय जगमग शहर की सड़कों के हालात को लेकर बेचबंद था। गड्ढे-गड्ढे सड़कों की बारिश पूर्व पंचिंग वर्क भी नहीं किया गया जिसका खामियाजा लोगों को बारिश होने के बाद भुगतनी पड़ रही है।

बता दें कि शहर की सड़कों में उभर आए गहरे गड्ढे लोगों के कमर तोड़ रहे हैं। इसके चलते आए दिन डाक्टरों के पास कमर दर्द-दर्द को लेकर जाने वाले मरीजों की संख्या बढ़ गई है। सड़कों में गड्ढे होने के कारण वाहन चालकों को

दिलकते हो रही है। कई बार दुर्घटना भी हो रही है।

निगम की खुली पोल

बता दें कि सप्ताह भर की बारिश ने नगर-निगम के सड़कों की हालत के पोल खोल दिए हैं। एक तो वैसे ही बारिश के पूर्व शहर के बड़े नाले नालियों की समुचित साफ-सफाई नहीं किए जाने से बारिश होते ही कचरे से भरे नालियां बौरा कर सड़कों पर आकर बहने लगीं वहीं निचली बस्तियों में पानी भर गया। शहर के जिला

चिकित्सालय से लेकर तहसील कार्यालय एसपी आफिस नया बस स्टैंड सहित स्वयं नगर निगम का अग्रभाग व अन्य हिस्सा जल मग्न हो गया। यह साफ-सफाई से लेकर शहर की सड़कों का सही रख रखाव नहीं होने का नतीजा है। सप्ताह भर के करीब लगातार होने वाली बारिश से हालात काफी बिगड़ गए हैं। शहर की सड़कों का बुरा हाल है। लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही है वहीं हादसे का खतरा भी बना हुआ है। शहर के किलापारा रोड दिग्विजय कालेज से जिला चिकित्सालय वाले रोड व गौरव पथ रोड से लेकर बैंक कालोनी रोड व शहर के भीतरी भाग के रोड सबसे ज्यादा खस्ता हाल में हैं। इसका पंचिंग किया जाना जरूरी है नहीं तो सावन की रिमझिम फुहार में सड़कों की हालत और भी जर्जरवस्था में पहुंच जाएगा।

भूमिपूजन हुये कार्य तत्काल प्रारंभ करने व अमृत मिशन के तहत शेष नल कनेक्शन पार्षदों से सम्पर्क कर वार्डों में लगाने के दिव्य निर्देश

राजनांदगांव (दावा)। निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता आज तकनीकी अधिकारियों की बैठक लेकर निर्माण कार्य एवं पेयजल व्यवस्था की समीक्षा में भूमिपूजन हुये निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ करने व चल रहे कार्यों को अतिशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश देने के साथ साथ शहर के सभी वार्डों में अमृत मिशन के तहत लगाने वाले शेष नल कनेक्शन पार्षदों से सम्पर्क कर लगवाने के निर्देश दिये।



आयुक्त ने की लोककर्म एवं जल विभाग की समीक्षा

बैठक में आयुक्त श्री गुप्ता ने सर्व प्रथम जल विभाग की समीक्षा कर पेयजल सप्लाई के संबंध में चर्चा कर अब तक काटे गये अनावश्यक बहने वाले सार्वजनिक नल की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी उप अभियंता अपने अपने वार्ड में सुबह टंकी भरने की स्थिति एवं अनावश्यक बहने वाले सार्वजनिक नल का सर्वेक्षण जल विभाग में जानकारी देगे, ताकि नल काटा जा सके, साथ ही भवन भवन अनुज्ञा उपरांत राशि जमा नहीं करने वालों के नल कनेक्शन की भी सूची लेकर काटने की कार्यवाही करने कहा। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कम पानी आने व गंदा पानी आने की शिकायत प्राप्त होती है उसका यथा संभव निराकरण करें।

लाईन विस्तार के दौरान गड्ढे फिलिंग किये गये थे, उसकी उखड़ने की शिकायत प्राप्त हो रही है, उसका शीघ्र निराकरण करे ताकि बारिश में पानी भरने की स्थिति निर्मित न हो। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अत्यधिक बारिश होने पर बाढ़ के कारण इंटरवेल में कचरा फसने पर नदी से रॉटर लेने में परेशानी हो रही है, जिससे वार्डों में पेयजल सप्लाई बाधित हो रही है, इस संबंध में गोताखोरों की मदद से कचरा हटवाये तथा जल संयंत्र गृह में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें।

निर्माण कार्य की समीक्षा में आयुक्त ने कहा कि 15वें वित्त आयोग, अधोसंरचना मद तथा सांसद, विधायक, महापौर व पार्षद शिकायत प्राप्त होती है उसका यथा संभव निराकरण करें। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कम पानी आने व गंदा पानी आने की शिकायत प्राप्त होती है उसका यथा संभव निराकरण करें।

अमृत मिशन के तहत जिन वार्डों में नल कनेक्शन नहीं हुआ है उस वार्ड के पार्षद से सम्पर्क कर नल कनेक्शन देवे। नागरिकों एवं पार्षदों का भी शिक्षायातों का भी तत्काल निराकरण करें। उन्होंने कहा कि टिकाया पर्याप्त भरने के पश्चात ही सप्लाई करें, जिससे सभी क्षेत्रों में पर्याप्त प्रेशर से पानी आ सके। वास्तु खोलने संबंधी शिकायतों का भी निराकरण करें। इंटर कनेक्शन के शेष कार्य जल्द पूर्ण करे तथा कई वार्डों में पाईप

निर्माण कार्य की समीक्षा में आयुक्त ने कहा कि 15वें वित्त आयोग, अधोसंरचना मद तथा सांसद, विधायक, महापौर व पार्षद शिकायत प्राप्त होती है उसका यथा संभव निराकरण करें। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कम पानी आने व गंदा पानी आने की शिकायत प्राप्त होती है उसका यथा संभव निराकरण करें।

अमृत मिशन के तहत जिन वार्डों में नल कनेक्शन नहीं हुआ है उस वार्ड के पार्षद से सम्पर्क कर नल कनेक्शन देवे। नागरिकों एवं पार्षदों का भी शिक्षायातों का भी तत्काल निराकरण करें। उन्होंने कहा कि टिकाया पर्याप्त भरने के पश्चात ही सप्लाई करें, जिससे सभी क्षेत्रों में पर्याप्त प्रेशर से पानी आ सके। वास्तु खोलने संबंधी शिकायतों का भी निराकरण करें। इंटर कनेक्शन के शेष कार्य जल्द पूर्ण करे तथा कई वार्डों में पाईप

पहला कॉलम... मोदी सरकार का बजट झूठ का पुलिंदा - भूपेश तिवारी

राजनांदगांव (दावा)। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष भूपेश तिवारी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश मोदी सरकार के बजट को झूठ का पुलिंदा बताया है। उन्होंने कहा कि 15 साल से देख रहे हैं मोदी सरकार ही केंद्र की सत्ता पर ताबीज रही है। देश की जनता को बराला कर वोट बटोरना उनकी सबसे बड़ी विशेषता है। 15 साल तक हर साल पेश होने वाले बजट में आंकड़ों का मायाजाल ही रहता है। इतने सालों के बजट में तो देश का कार्यालय ही जाना चाहिए था। गरीबी बेरोजगारी दूर हो जानी चाहिए थी सच तो यह है कि बड़े उद्योगपतियों को बड़ा लाभ पहुंचाने का काम किया जा रहा है। बड़ी प्रॉब्लेम कंपनियों को लूट की खुली हूट दे रखी है। छोटे उद्योग धंधे ठप होते जा रहे हैं। श्री तिवारी ने आगे कहा कि बजट में छत्तीसगढ़ प्रदेश के साथ जमकर भेदभाव किया गया है। बिहार और आंध्र प्रदेश को हजारों करोड़ों का विशेष पैकेज दिया जाना यही साबित करता है। भाजपा 15 साल से झूठ बोलती आ रही है और पता नहीं कैसे लोग उनके झूठ को सच मान लेते हैं। वित्त मंत्री ने छत्तीसगढ़ को ठेगा दिखा दिया है। कुल मिलाकर मोदी सरकार के बजट में छत्तीसगढ़ को कुछ नहीं मिला। भाजपा राज में छत्तीसगढ़ की जनता अपने आप को ठेगा हुआ महसूस कर रही है। इनका मुंह तोड़ जवाब आम जनता आगामी चुनाव में भाजपा को अवश्य देगी।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के पद के लिए 7 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

राजनांदगांव (दावा)। एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना राजनांदगांव ग्रामीण 1 द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 3 उररीबोड में कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 1 सुकुलदेहान में सहायिका के पद के लिए 7 अगस्त 2024 तक आवेदन पत्र आमंत्रित की गई है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के पद के लिए इच्छुक एवं पात्र आवेदिका निर्धारित तिथि तक कार्यालय एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना राजनांदगांव ग्रामीण 1 जिला राजनांदगांव में सीधे अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर सकती है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

आवेश अली का निधन

राजनांदगांव (दावा)। दिवंगत प्रकर शोएब अली के बड़े भ्राता आवेश अली उम्र 50 वर्ष (निवास जगदलपुर) का निधन 24 जुलाई को आकस्मिक हृदय गति रुकने से जगदलपुर में हुआ था। आवेश अली के सबसे बड़े भ्राता राजनांदगांव के निवासी हैं। 1985 से 90 में राजनांदगांव क्रिकेट में आवेश अली की बड़ी भूमिका थी जिला और संभाग स्तर की क्रिकेट टीम में शामिल थे। वर्तमान समय में जगदलपुर में बस्तर टूरिज्म पर काम करते थे आवेश अली हमारे समय के दोस्तों के बीच में काफी प्रचलित थे एवं मिलनसार थे।

श्री कृष्णा (एयरकुल) में शानदार चौथा समाह रोजाना 4 खेलों में

समय : 12, 3, 6 व 9 बजे
बाल्कनी की एडवॉस बुकिंग प्रारंभ है।
धैरा उठा के कामेडी के डोज... वारिवात किक
मोहित साहू कृत

हण्डा

छत्तीसगढ़ी भाषा में
कलाकार - अमलेख नागोर, अमृत कुशवाहा,
अनिल सिन्हा, नीरव उड्डे, धर्मेश साहू आदि

ऑनलाइन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

SILVER SCREEN MULTIPLEX

26th July to 01st Aug 2024

Deadpool & Wolverine 2D (Hindi) - 06:30 & 09:00 pm
Baayaa (Hindi) - 06:30 & 09:00 pm
Bad News - 12:15, 03:15, 06:15 and 09:15 pm
Handa (C.G.) - 12:00 & 03:00 pm

Sumet Mandi Mall, Rajnandgaon (C.G.) 8085600200

केंद्र सरकार का बजट लुभावनी पुड़ीया के सिवा कुछ नहीं-सूर्यकांत जैन

राजनांदगांव (दावा)। मोदी सरकार कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश बजट पर अपने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दक्षिण ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सूर्यकांत जैन ने कहा कि यह बजट लुभावनी पुड़ीया के सिवा कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे पहले 15 साल से मोदी सरकार के बजट को देखते आ रहे हैं। बजट में कुछ और होता है और धरातल पर कुछ और होता है।

रोजगार पर केंद्रित बजट बताया जा रहा है। लेकिन उनके शासन के इतने वर्षों में बेरोजगारी की समस्या गंभीर बनी हुई है। श्री जैन ने आगे कहा कि केंद्र में जब कांग्रेस की सत्ता थी तब जो कहती थी वह करके दिखाती थी। राज्य में भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस की सत्ता थी। तब जो भी वादा करती उसे पूरा करके दिखाती थी। लेकिन भाजपा 15 साल से झूठ बोलती

आ रही है और पता नहीं कैसे लोग उनके झूठ को सच मान लेते हैं। वित्त मंत्री ने छत्तीसगढ़ को ठेगा दिखा दिया है। जबकि बिहार और आंध्र प्रदेश को भारी भरकम पैकेज दिया है उन्हें विशेष राज्य का दर्जा दिया गया है। लेकिन छत्तीसगढ़ प्रदेश को झुंजुनूना पकड़ा दिया है। जबकि विधानसभा चुनाव में जनता ने उनके बहुकामों में आकर उन पर विश्वास किया लोकसभा चुनाव में भी 11 में से 10 सीटें भाजपा के खाते में डालकर विश्वास को और मजबूत किया है। इसके विरुद्ध इस भाजपा के भीतर की सरकार बनाकर छत्तीसगढ़ की जनता के साथ विश्वासघात किया है। आने वाले चुनाव में नगरी निकाय चुनाव और त्रिस्तरीय स्तरीय पंचायत चुनाव में जनता इसका जवाब अवश्य देगी। यह सिलसिला देश में उपचुनावों से शुरू भी हो गया है।

कृष्णजन्माष्टमी मनाने की तैयारी जोर शोरों पर, पदाधिकारियों का हुआ गठन

राजनांदगांव (दावा)। नगर इकाई कोसरिया यादव समाज राजनांदगांव की बैठक स्टेट हाईस्कूल के मंच के प्रांगण में रखी गई। जिसमें श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव समिति का गठन किया गया। निगम में श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव समिति के अध्यक्ष रामदास यादव निखली को बनाया गया। उपाध्यक्ष नारायण यादव शांतिनगर, सचिव रामू यादव स्टेशनपारा, कोषाध्यक्ष शौतराम यादव को नियुक्त किया गया।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव समिति की महिला अध्यक्ष श्रीमती सुशीला यादव महादेव नगर, उपाध्यक्ष देवकी यादव स्टेशनपारा, सचिव इंदिरानी यादव स्टेशनपारा, सहसचिव सकुन बाई यादव महादेवनगर, शोभायात्रा

नगर इकाई कोसरिया समाज की हुई बैठक

प्रभारी युवा अध्यक्ष हरीश यादव, गुरुजीड बाबूटोला, संरक्षक कृष्ण यादव, संरक्षक वृंदा बाई यादव, सरस्वती यादव, मोटरसाइकिल बाईक रैली के प्रभारी दुर्गा यादव, विजय यादव गौरिनगर, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी राधेला यादव को बनाया गया। बाईक रैली दिनांक 25-7-2024 दिन रविवार, दोपहर 2 बजे श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की भव्य शोभायात्रा दिनांक 26-7-2024 दिन सोमवार को दोपहर 12 बजे से भव्य शोभायात्रा, दिनांक 1 सितंबर दिन रविवार को भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम नरेंद्र मुने यादव समाज के बच्चों के द्वारा गोविंद राम

आचार्य विद्यासागर पर तेजकरण का दोहरा रिकॉर्ड

राजनांदगांव (दावा)। भारत के आध्यात्मिक संदर्भ में जैनचार्य विद्यासागर महाराज का जीवन उनके त्याग और तपस्या से अत्यंत प्रभावशाली था। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर आधारित विशेष आवरण और गुरुदेव के महाश्रावण के समाचार पत्रों का विराट संकलन तैयार कर मोहला के ग्रेंडमास्टर ऑफ इंडियन फिलॉसॉफी से सम्मानित तेजकरण जैन ने दोहरा रिकॉर्ड बना छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है।

देश भर के आचार्य श्री के अनुयायियों ने उनके आचार्य पदोपहार स्वरूप जयंती वर्ष को अविस्मरणीय बनाने के लिए भारत के विभिन्न शहरों से 173 से अधिक अतिथि अतिथि 204

विशेष आवरण जारी कराया है। विश्व इतिहास में किसी गैर राजनीतिज्ञ व्यक्ति पर पहली बार इतने अधिक विशेष आवरणों का प्रकाशन हुआ है।

महाश्रावण के 609 अखबारों का अंबार

छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े जैन तीर्थ चंद्रगिरि डोंगराढ़ में 18 फरवरी को आचार्य श्री ने समाधिपूर्वक अपनी देह त्याग दी। जैन समुदाय सहित अनेक लोग शोककाल हो गए। शोक समाचार प्रकाशन वाले भारत की 12 भाषाओं के 609 अखबार

नगर इकाई कोसरिया यादव समाज की हुई बैठक

निरमलकर ऑडिटोरियम में सुबह 11 बजे से सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी। जिसकी तैयारी जोशोर से नगर कोसरिया यादव समाज द्वारा की जा रही है। घंटों वादवार यादव समाज के गोपियागणों एवं सामाजिक बंधुओं, माता बहनों, युवा साथियों के घरों में जाकर घर-घर जाकर के कार्यक्रम की जानकारी दी जा रही है। इससे युवाओं एवं समाज में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। यादव समाज के पदाधिकारियों के गठन के दौरान समाज के पदाधिकारियों सहित सदस्यों की गणनायक बड़ी संख्या में उपस्थित रही। यह जानकारी नगर इकाई कोसरिया यादव समाज के अध्यक्ष महेश कुमार यादव द्वारा दी गई।

नायब तहसीलदार की पैनिक अटैक आने से मौत

राजनांदगांव (दावा)। ममता नगर निवासी 35 वर्षीय नायब तहसीलदार की गुरुवार की सुबह पैनिक अटैक आने से मौत हो गई। घटना सुबह साढ़े आठ-नौ बजे की बताई जाती है। नायब तहसीलदार श्रीमती प्रीति चिवर्तकर के पति प्रशांत चिवर्तकर ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से प्रीति की तबीयत खराब चल रही थी। चार-पांच दिन पहले उसे संजीवनी में एडमिट कराया था। वहां से वह घर आ गई थी। गुरुवार की सुबह उसकी अचानक अचानक फिर से तबीयत खराब हुई। उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल, पेंडुड़ी लाया गया, जब तक वह पुर हो चुकी थी। बता दें कि नायब तहसीलदार श्रीमती प्रीति चिवर्तकर के संबंध में फांसी लगाकर मौत होने की खबर उड़ा दी गई थी जबकि उसकी मौत पैनिक अटैक से होना बताया जा रहा है। श्रीमती प्रीति दुर्ग जिले के ग्राम गुंडदेही में पदस्थ थी। इससे पहले डोंगराढ़ में आरआई के रूप में पदस्थ थी। इसके बाद संभवतः राजनांदगांव में नायब तहसीलदार भी रही है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में साथ आए उसके साथी तहसीलदार राहुल गुप्ता ने बताया कि मिलनसार व हसमुख प्रकृति की धनी प्रीति चिवर्तकर अपने काम से काम रखती थी। वह पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थी।

कार्यालय, नगर पंचायत मुईखदान जिला- खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई (छ.ग.)

nagarpanchayatcn@gmail.com

कार्यालय नगर पंचायत छुईखदान, जिला - खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई, (छ.ग.)

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0

दिनांक 19/07/2024

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत जारी दिशा निर्देशों के अनुक्रम में राज्य के समस्त नागरी निवासियों में बीटक / बीई खाक अनेककों से Swachh TULIP कार्यक्रम अन्तर्गत TULIP INTERN TRAINER हेतु निम्नानुसार अनेक अन्तर्गत किये जाते हैं :-

इंटरशिप की अवधि	आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि	एकमुश्त देय राशि	आवश्यक इंटरन ट्रेनिंग की संख्या	संकां (पो. नं.)
12 सप्ताह	05/08/2024	4500/- (रूपये)	02	9407664135

इच्छुक अर्थी अपना ऑनलाइन आवेदन <https://internship.paicte-india.org/> में जमा कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी / पात्रता इत्यादि हेतु उपरोक्त मोबाइल नंबर से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकृत किये जायेंगे।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत छुईखदान

नगर पंचायत गण्डई जिला-खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई, (छ.ग.)

दिनांक 25/07/2024

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत जारी दिशा निर्देशों के अनुक्रम में राज्य के समस्त नागरी निवासियों में बीटक / बीई खाक अनेककों से Swachh TULIP कार्यक्रम अन्तर्गत TULIP INTERN TRAINER हेतु निम्नानुसार अनेक अन्तर्गत किये जाते हैं :-

इंटरशिप की अवधि	आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि	एकमुश्त देय राशि	आवश्यक इंटरन ट्रेनिंग की संख्या	संकां (पो. नं.)
12 सप्ताह	05/08/2024	4500/- (रूपये)	02	9179422381

इच्छुक अर्थी अपना ऑनलाइन आवेदन <https://internship.paicte-india.org/> में जमा कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी / पात्रता इत्यादि हेतु उपरोक्त मोबाइल नंबर से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकृत किये जायेंगे।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत, गण्डई

हॉकी मध्यप्रदेश के हाथों मेजबान छत्तीसगढ़ की बालिकाओं को मिली हार

राजनांदगांव (दावा)। बालिका वर्ग में आज खेले गए एक मैच में हॉकी मध्यप्रदेश ने मेजबान छत्तीसगढ़ की बालिकाओं को एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में 3-0 गोलों से पराजित किया। बालक वर्ग के पहले मैच में हॉकी महाराष्ट्र ने हॉकी गुजरात को एकतरफे मुकाबले में 14-0 गोलों से पराजित किया। दूसरे मैच में हॉकी मध्यप्रदेश ने हॉकी राजस्थान को 4-1 गोल से पराजित किया। तीसरे मैच में मेजबान छत्तीसगढ़ ने गोवा को 11-0 गोल से पराजित किया।

आज मैच के दौरान ओलंपियन मोहम्मद रियाज, असुता लकरा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी, फिरोज अंसारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ हॉकी व सचिव आयोजन समिति, रमेश डाकलिया, कुतबुद्दीन सोलंकी, मुस्ताक अली प्रधान (वर्ल्ड हॉकी खिलाड़ी रायपुर) मृगाल चौबे ऋषि शास्त्री पार्षद नगर निगम राजनांदगांव, सूर्यकांत जैन अध्यक्ष जिला हेडक्वार्टर संघ, विजय शर्मा, प्रिंस भाटिया, भूषण सोहन, रामआवतार जोशी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार वितरित कर खिलाड़ियों को बधाई व शुभकामनाएं दी।

अंतर्राष्ट्रीय एस्ट्रोर्टफ हॉकी स्टेडियम में खेला जा रही द्वितीय वेस्ट जोन जूनियर बालक बालिका हॉकी प्रतियोगिता के पांचवां दिन प्रातः खेले गए बालिका वर्ग के प्रथम मैच में हॉकी मध्यप्रदेश ने मेजबान छत्तीसगढ़ के मध्य खेला गया इस रोमांचक मुकाबले में हॉकी मध्यप्रदेश ने छत्तीसगढ़ को 3-0 गोल से पराजित किया। इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में दोनों ही टीम ने पहले क्राइटर तक कोई भी गोल नहीं कर पाई। किंतु हॉकी मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने अपने खेल में परिवर्तन करते हुए मैच के 29वें मिनट में जर्सी क्रमांक 13 काजाल ने गोल करते हुए 1-0 गोलों की बढ़त बनाई। वहीं मैच के 46वें मिनट और मैच के 58वें मिनट में सुजाता जयंत और खेड़ा पटेल ने गोल करते हुए 3-0 गोल से जीत दर्ज की।



0 बालक वर्ग में महाराष्ट्र मध्यप्रदेश और मेजबान छत्तीसगढ़ ने जीत दर्ज की 0 वेस्ट जोन जूनियर हॉकी प्रतियोगिता

बालक वर्ग में खेले गए पहले मैच में हॉकी महाराष्ट्र ने हॉकी गुजरात को 14-0 गोल से पराजित कर एक आसान जीत हासिल की। हॉकी महाराष्ट्र की ओर से टीक के कप्तान विशाल श्रीधर मानड्डे और कार्तिक अर्जुन संतोष हरगुडे ने 2 गोल और संतोष रमेश बुजदर ने 2 गोल किया। बालक वर्ग का खेले गए दूसरे मैच में हॉकी मध्यप्रदेश ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए हॉकी राजस्थान को 4-1 गोल से पराजित किया। मध्यप्रदेश की ओर से मोहम्मद अंश ने 2 गोल शुभन अब्दु ने और विश्वेश सिंग ठक्कर ने 1-1 गोल किए। वहीं राजस्थान की ओर से एक मात्र गोल अभिषेक सिंग ने किया। बालक वर्ग में खेले गए आज का तीसरा और अंतिम मैच मेजबान छत्तीसगढ़ विरुद्ध हॉकी

गोवा के मध्य खेला गया जिसमें मेजबान की टीम ने एकतरफे मुकाबले में 11-0 गोलों से पराजित कर एक आसान जीत हासिल की। छत्तीसगढ़ हॉकी ने शुरूवाती समय से आक्रामक पारी खेल का प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ हॉकी की ओर से मोहित नायक ने 6 गोल टीम के कप्तान आनन्द ने 2 गोल महवीर वर्मा, मानस पटेल और प्रकाश पटेल ने 1-1 गोल किया। प्रतियोगिता में खेले जा रहे मैचों में बालिका वर्ग में मैन ऑफ द प्लेयर का पुरस्कार पहले मैच में हॉकी मध्यप्रदेश की कप्तान पलक गुप्ता को बालक वर्ग में पहले मैच में हॉकी महाराष्ट्र के कप्तान विशाल श्रीधर मानड्डे को दूसरे मैच में हॉकी मध्यप्रदेश के तोहिव अहमद को व तीसरे मैच में छत्तीसगढ़ हॉकी के मोहित नायक को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। वहीं अतिथियों को भी आयोजन समिति की ओर से हॉकी स्टीक स्मृति चिन्ह के रूप में प्रदान किया जा रहा है।

आज के मैच

बालिका वर्ग में एक ही मैच हॉकी गुजरात विरुद्ध छत्तीसगढ़ हॉकी मध्य सुबह 7 बजे खेला जायेगा।

एसपी वाय.पी. सिंह ने साड़ी, साल, मिठाई देकर बुजुर्ग माता-पिता का जाना हाल-चाल



अंचौकी (दावा) नक्सल विरोधी अभियान के तहत जिला मोहला-मानपुर, अंचौकी में 'ऑपरेशन प्रयास' चलाया जा रहा है। आज दिनांक 25 जुलाई 2024 को जिला के पुलिस अधीक्षक वाय.पी. सिंह (भापुसे) के नेतृत्व व मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मयंक गुजर (भापुसे), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीताम्बर पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऑफिस डी.सी. पटेल के दिशानिर्देश के तहत जिला पुलिस, डीआरजी और इंडो टिब्रत बाईर पुलिस (आईटीबीपी) के द्वारा जिले के विभिन्न नक्सल प्रभावित ग्रामों में पहुंचकर ग्रामीणों और सक्रिय नक्सलियों के परिवारजनों से मुलाकात कर, माओवादियों से इत्थियार छेड़कर मुख्यधारा में लौटने आत्मसमर्पण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक वाय.पी. सिंह ने माओवादियों से अपील किया है कि माओवादियों को लड़ई अंतिम चरण में है। पुलिस फोर्स माओवादियों के गड मूड में पहुंच चुकी है। अभी भी समय है, समय रहते पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दें और आम नागरिक को तरह समाज में जीवन यापन करें। छत्तीसगढ़ शासन विभिन्न योजनाओं के तहत छद्म पुलिस के द्वारा आत्मसमर्पण करने पर नगद इनाम, घर, नौकरी, राशन कार्ड, आधार कार्ड, व्यावसाय हेतु ऋण, कृषि हेतु जमीन, स्वास्थ्य बीमा, बस यात्रा में 50 प्रतिशत छूट अन्य नियमानुसार सुविधा प्रदाय किया जाएगा।

शहर की समस्याओं के निराकरण हेतु भाजपा पार्षद दल द्वारा निगम आयुक्त से चर्चा

राजनांदगांव (दावा)। जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश पटेल के निर्देश पर जिला भाजपा के महामंत्री नगर निगम भाजपा पार्षद दल के प्रभारी राजेंद्र गोलख के नेतृत्व में नगर निगम के भाजपा पार्षद दल ने शहर की विभिन्न समस्याओं को लेकर बुधवार को आयुक्त अभिषेक गुप्ता से मुलाकात कर चर्चा की। जिला भाजपा महामंत्री राजेंद्र गोलख एवं नेता प्रतिपक्ष किशुनू यदु के साथ मौजूद सभी भाजपा पार्षदों ने शहर की जर्जर सड़क ठीक करने, पेयजल की आपूर्ति में आ रही समस्याओं को दूर करने और शेष नल कनेक्शन शीघ्र पूरे किए जाने को लेकर समुचित व्यवस्था बनाने की मांग की। आयुक्त ने बैठक में उपायों पर की गई चर्चा उपरांत संबंधित अधिकारियों को निर्दिष्ट करते हुए शीघ्र ही समस्याओं के निराकरण के लिए आग्रह किया है।



नेता प्रतिपक्ष किशुनू यदु ने बताया कि, शहर के मुख्य मार्ग में गड्डों पर बारिश में पानी भर रहा है। इससे दुर्घटनाएं होने की आशंका है। कुछ स्थानों पर तो पूरी सड़क ही जर्जर है। इन्हें तात्कालिक रूप से आवागमन योग्य बनाए जाने हेतु पैच वर्क या गड्डों को भरने जाने की महती आवश्यकता है। भाजपा पार्षद दल ने इस संदर्भ में अपनी बातें आयुक्त के सामने रखीं। बैठक में इस पर चर्चा में यह निष्कर्ष आया कि मौसम साफ होने

पर गड्डों को कांक्रिट के माध्यम से भरा जाए। इसके साथ ही जिन स्थानों पर पैच वर्क के टेंडर किए गए हैं वहां यह कार्य शुरु किया जाए। वैकल्पिक व्यवस्था हेतु बारिश बंद होने पर कांक्रिट मिक्स का उपयोग किया जाए। इस संदर्भ में आयुक्त द्वारा लगातार बारिश के चलते मोहरा में शिवनाथ नदी के उफान पर आने से कचरा फिल्टर प्लांट के इंटरकलेम में फंस रहा है। इसके चलते शहर में

पेयजल आपूर्ति बाधित हो रही है। भाजपा पार्षद दल ने इस विषय पर भी चिंता जाहिर की। मांग की गई कि यहां गोलाखोर की मदद से लगातार इंटरकलेम की सफाई करवाई जाए। इसके अतिरिक्त शहर में नल कनेक्शन से छूटे घरों में कनेक्शन शीघ्र प्रदान किए जाने की मांग भी पार्षद दल ने रखी। इन विषयों पर आयुक्त द्वारा तात्कालिक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। उक्त बैठक में जिला भाजपा महामंत्री राजेंद्र गोलख, नेता प्रतिपक्ष किशुनू यदु, पूर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश बघेल, पार्षद शिव वर्मा, विजय राय, गणू सोनकर, गगन आइच, श्रीमती मधु बैद, अरुण देवांगन, कमलेश बंधे, पार्षद प्रतिनिधि मौजूद यादव, अशीष डोगरे, अरुण दामले, जीवन चतुर्वेदी, राजेश यादव, अरुण साहू, संयत उडके उपस्थित रहे।

डीआईजी झा ने एसपी, सीएसपी कार्यालय एवं थाना बसंतपुर थाने का किया वार्षिक निरीक्षण

राजनांदगांव (दावा)। पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज दीपक कुमार झा द्वारा गुरुवार को एस पी, सी एस पी कार्यालय सहित बसंतपुर थाने का वार्षिक निरीक्षण किया गया। पुलिस महानिरीक्षक श्री झा के वार्षिक निरीक्षण करने हेतु पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचने पर उन्हें सलामी दी गई। तत्पश्चात् पुलिस महानिरीक्षक द्वारा नगर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच कर कार्यालयीन दस्तावेज, रिकार्ड, शिकायत जांच, डयजस्ट आदि देख कर निरीक्षण किया गया। फिर थाना बसंतपुर जाकर थाना का निरीक्षण किया गया जिसमें उनके द्वारा थाना के रिकार्ड रूम, शस्त्रागार, संधारित रजिस्टर, रोजानामचा, लंबित अपराध, लंबित शिकायत, गुम इंसान, लंबित मार्ग, लंबित समस्य/वारंट, मालखाना आदि का अवलोकन कर थाना की साफ-सफाई जवानों के वेशभूषा को देखे साथ ही थाना भवन का भी निरीक्षण किया। महानिरीक्षक द्वारा लंबित मामलों को किसी भी स्थिति में जल्द से जल्द पूरा करने हेतु निर्दिष्ट किया गया। थाने में शिकायत लेकर आने वाले परिवारियों को किसी प्रकार की

समस्या न हो इसके लिए विशेष ध्यान रखने समझाईस दिया गया। जवानों को नवीन आपराधिक कानून की जानकारी होना अति आवश्यक है बताया गया, साथ ही थाना बसंतपुर में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से उनकी समस्या पूछ कर निदान हेतु आश्वासन दिया गया। तत्पश्चात् पुलिस महानिरीक्षक पुनः पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और कार्यालय का भ्रमण किये एवं कार्यालय के विभिन्न शाखाओं के समस्त प्रभारियों से रूबरू होकर उनके द्वारा संधारित दस्तावेजों का निरीक्षण किये किये लंबित पत्र का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये। इस दौरान पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, अति. पुलिस अधीक्षक ऑफिस मुकेश ठक्कर, अति. पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक, डीएसपी अजीत ओंगरे, डी.एस.पी. श्रीमती तनुप्रिया ठक्कर, पुलिस अधीक्षक कार्यालय के समस्त शाखा के प्रभारी एवं अधिकारी/कर्मचारी, नगर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारी, थाना प्रभारी बसंतपुर एवं थाना स्टाफ उपस्थित थे।

राजनांदगांव-कलमना तीसरी रेल लाइन निर्माण के संबंधित कार्य

राजनांदगांव (दावा)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जागपुर मंडल के तहत जारी राजनांदगांव-कलमना तीसरी रेल लाइन निर्माण के संबंधित कार्य के फलस्वरूप कामठी-कलमना रेल खंड पर पी-इंटरलॉकिंग/नॉन पी-इंटरलॉकिंग कार्य किया जाना है। इसके मद्देनजर मंडल के अंतर्गत कामठी-कलमना रेल खंड के किमी 1132थ0.12 पर स्थित मानव सहित समपार ३.567 को दिनांक 01.08.2024 के सुबह 08:00 बजे से 16.08.2024 के रात 22.00 बजे तक अस्थायी रूप से बंद किया जा रहा है और इस दौरान सड़क उपयोगकर्ताओं हेतु राजीव गांधी गेट-समपार ३. के आर डी-1 की सुविधा प्रदान की जा रही है ताकि सड़क यातायात बाधित न हो तथा उक्त अवधि में यातायात सुरक्षित, सुगम व सुचारू से जारी रहे। इसके अलावा संरक्षा के मद्देनजर मंडल के सभी मानव सहित रेल समपारों को चरणबद्ध तरीके से बंद कर दिया जायेगा तथा सड़क यातायात हेतु वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराया जाएगी ताकि दुर्घटनाओं की संभावनाएं पूरी तरह समाप्त हो सकें। रेलवे क्रॉसिंग पर दुर्घटनाएं आमतीौर पर सड़क उपयोगकर्ताओं की लापरवाही के कारण होती है और कई बार समपार उपयोगकर्ताओं द्वारा समपारों को पार करने संबंधी नियमों का पालन न करने के कारण अनचाही दुर्घटनाएं घटती है। रेल प्रशासन द्वारा इन परिस्थलों को फलस्वरूप निर्बंध गति से न केवल ट्रेन परिचालन को सुनिश्चित कर रही है बल्कि लेवल क्रॉस करने वाले व्यक्तियों, वाहनों आदि को भी निर्बंध गति एवं सुरक्षा के साथ ट्रेक क्रॉस करने की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। संरक्षित, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा अनुभव के साथ के तीव्र गति से बाधा रहित ट्रेन परिचालन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का लक्ष्य है।

चर्चा उपरांत आयुक्त ने अधिकारियों को निर्दिष्ट किया, शीघ्र समुचित व्यवस्था बनाने का आश्वासन

ईई को निर्दिष्ट किया गया। लगातार बारिश के चलते मोहरा में शिवनाथ नदी के उफान पर आने से कचरा फिल्टर प्लांट के इंटरकलेम में फंस रहा है। इसके चलते शहर में

कारगिल विजय दिवस पर भाजयुमो शहीद परिवार का करेगी सम्मान

राजनांदगांव (दावा)। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा एवं भारतीय जनता युवामोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सुर्या के आह्वान एवं प्रेरणा पर सड़क उपयोगकर्ताओं की लापरवाही के कारण होती है और कई बार समपार उपयोगकर्ताओं द्वारा समपारों को पार करने संबंधी नियमों का पालन न करने के कारण अनचाही दुर्घटनाएं घटती है। रेल प्रशासन द्वारा इन परिस्थलों को फलस्वरूप निर्बंध गति से न केवल ट्रेन परिचालन को सुनिश्चित कर रही है बल्कि लेवल क्रॉस करने वाले व्यक्तियों, वाहनों आदि को भी निर्बंध गति एवं सुरक्षा के साथ ट्रेक क्रॉस करने की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। संरक्षित, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा अनुभव के साथ के तीव्र गति से बाधा रहित ट्रेन परिचालन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का लक्ष्य है।

केन्द्र के बजट में कांग्रेस के घोषणा पत्र न्याय के एजेडे की नकल - सैय्यद अफजल

राजनांदगांव (दावा)। कांग्रेस नेता व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सैय्यद अफजल अली ने कहा कि इस बजट ने कमोबेश कांग्रेस के घोषणा-पत्र की नकल की है। महत्वपूर्ण बात युवा निधि योजना के बारे में है। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने इसे अग्रिमदर्शन में शामिल होने वाले प्रत्येक युवा को 5000 रुपये देने की घोषणा की है। इससे पता चलता है कि इस सरकार ने राहुल गांधी के विचारों की नकल की है। आंध्र प्रदेश के लिए विशेष श्रेणी से इन्कार कर दिया गया है। वें आंध्र प्रदेश को लॉलीपॉप दे रहे हैं। सैय्यद ने कहा कि केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को बजट 2024-25 में प्रमुख गज्यों बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए कई विकाससात्विक परियोजनाओं की घोषणा की। यह घोषणा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद बिहार में नितेश कुमार और आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू किंगमेकर बन गए, जिससे राज्यों के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के रिक्कोर्ड तीसरी बार सत्ता में वापस आने में मदद मिली। विपक्ष के नेतृत्व वाले इंडिया गुट द्वारा नितेश कुमार और चंद्रबाबू नायडू दोनों को अपने पक्ष में करने के प्रयासों के बावजूद, दोनों नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में बने रहे। सैय्यद ने मोदी सरकार का नकलचौकी बजट बताया है, जो कांग्रेस पार्टी के न्याय के एजेडे को ठीक से काटें भी नहीं कर पाए। पीएम मोदी अपने गठबंधन के साथियों को ठानने के लिये रेवडिज बांट रहे हैं, ताकि एनडीए बचो रहे। यह देश की तस्वीर नहीं बल्कि मोदी सरकार को बचाने का बजट है। बजट में कोई योजना नहीं है। यह बहुत अनुचित बजट है। भारत के अधिकारशायी को नजर अंदज किये गया है। आमजन की जरूरती चिंताओं को नजरअंदाज किया गया है, सिर्फ अपनी सरकार बचाने के लिए, केन्द्र सरकार को इस बात की परवाह नहीं है कि विभिन्न राज्यों की स्थानीय जरूरतें क्या हैं और इसीलिए इंडिया गठबंधन इस्सका विरोध कर रहा है।

राजनांदगांव (दावा)। अतिरिक्त भारतीय खंडेलवाल वैश्य महासभा के राष्ट्रीय युवा मुख्य संयोजक बने शरद खंडेलवाल सेवा ही उद्देश्य को सार्थक करते शरद खंडेलवाल

जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के तहत 27 जुलाई से 10 अगस्त तक वार्डों में शिविर आयोजित

राजनांदगांव (दावा)। नागरिकों की समस्याओं का निराकरण के लिये नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा नगरीय निकावों में 27 जुलाई से 10 अगस्त के मध्य जन समस्या निवारण पखवाड़ा का आयोजन करने निर्देशित किया गया है, निर्देशानुसार निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता ने निगम सीमाक्षेत्र के वार्डों में शिविर आयोजित करने अधिकारियों व कर्मचारियों दायित्व सौंपा है। शिविर के नोडल अधिकारी उपायुक्त मोखिन अली एवं सहायक नोडल अधिकारी उप अभियंता दीपक महला रहेगे। जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के संबंध में आयुक्त श्री गुप्ता ने बताया कि शासन द्वारा नागरिकों के समस्याओं का त्वरित निराकरण के लिये जन समस्या निवारण पखवाड़ा 27 जुलाई से 10 अगस्त तक आयोजन करने निर्देश दिये हैं, निर्देशानुसार निगम सीमाक्षेत्र के वार्डों में शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत 27 जुलाई शनिवार को मोतीपुर सामुदायिक भवन में वार्ड नं. 1,2,3,4 व 8

के लिये प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक शिविर आयोजित किये जायेगे। इसी प्रकार 29 जुलाई सोमवार को चिखली स्कूल में वार्ड नं. 5,6,7,9 व 10 के लिये शिविर, 30 जुलाई मंगलवार को बापू प्राथमिक शाला स्टेसन पारा में वार्ड नं. 11,12,13,14 व 15 के लिये शिविर, 31 जुलाई बुधवार को डा.प्यारेलाल स्कूल में वार्ड नं. 16,17,18 व 19 के लिये शिविर, 1 अगस्त गुरुवार को रेवाडीह स्कूल सामुदायिक भवन में वार्ड नं. 20,21 व 22 के लिये शिविर, 2 अगस्त शुक्रवार को कौरिनभावा स्कूल में वार्ड नं.

शिविर के लिये आयुक्त ने सौंपा दायित्व

42,43,44,45 व 46 के लिये शिविर, 5 अगस्त सोमवार को पुत्रीशाला में वार्ड नं. 23,24 व 37 के लिये शिविर, 6 अगस्त मंगलवार को भक्कापापा स्कूल में वार्ड नं. 25,26 व 27 के लिये शिविर, 7 अगस्त बुधवार को लखौली सामुदायिक भवन में वार्ड नं. 28,29,30 व 31 के लिये शिविर, 8 अगस्त गुरुवार को लखौली प्राथमिक शाला में वार्ड नं. 32,33,34 व 35 के लिये शिविर, 9 अगस्त शुक्रवार को इंदिरा नगर स्वास्थ्य विभाग पानी टंकी में वार्ड नं. 36,38,39,40,41 व

48 के लिये शिविर एवं 10 अगस्त शनिवार को नल घर मोहरा में वार्ड नं. 47,49,50 व 51 के लिये शिविर का आयोजन किया गया है। आयुक्त श्री गुप्ता ने बताया कि शिविर आयोजन के लिये अधिकारियों व कर्मचारियों का दल गठित कर दायित्व सौंपा गया है। शिविर में स्थानीय नागरिक समस्याएं यथा- नल कलेक्शन, राशन कार्ड, राष्ट्रीय परिवार सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, समाजिक सुरक्षा पेंशन, जन्म-मृत्यु,विवाह प्रमाण पत्र, भवन निर्माण अनुज्ञा, अनपति प्रमाण पत्र, नामांतरण, स्वरोजगार के प्रकरण तथा कई विविध छोटे छोटे कार्य जिनका निराकरण किया जायेगा। साथ ही नल लीकेज, नली में पानी न आना, नालियों व गलियों की सफाई, कचरे की सफाई व परिवहन, सार्वजनिक नलों के प्लेटफार्म से पानी बहना, टूटी फूटी नालियों की मरम्मत, सडकों के गड्डे पाटना, स्ट्रीट लाइट मरम्मत आदि समस्याओं का भी निराकरण किया जायेगा। शिविर में महापौर, अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, पार्षदों, तथा जनप्रतिनिधियों की भी भागीदारी रहेगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि उपरोक्त तिथि को वार्डों में आयोजित शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्या का समाधान करावें।

बजट से सभी वर्गों को मिलेगा लाभ - सुमित



डॉ. गर गढ़ (दावा)। केन्द्रीय वित्तमंत्री द्वारा मंगलवार को पेश किए गए बजट पर प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए भाजपा युवा मोर्चा शहर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट में सभी वर्गों को लाभ मिलेगा। यह 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद पहला बजट है युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा। इस फैलेक्स् बजट में बदलाव कर आय कर छूट की सीमा बढ़ाई गई, सामन्य वर्ग, किसान, जनजातीय क्षेत्रों के विकास हितकारी बजट है। यह बजट भारत की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था से आर्थिक महशसक बनने की दिशा में मील का पथर साबित होगी। वहीं कारोबारियों और मजदूर वर्ग, ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बजट में रहल मिली है। इस बजट में गरीबों को प्रधानमंत्री आवास, फ्री अनाज, बिजली, पानी, सड़क, स्टार्टअप रिसल इंडिया को बढ़ावा देने, फंड, छोटे उद्योगों को बढ़ावा देने, आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए प्रावधान किया गया है।

अभा. खंडेलवाल वैश्य महासभा के राष्ट्रीय युवा मुख्य संयोजक बने शरद खंडेलवाल

राजनांदगांव (दावा)। अतिरिक्त भारतीय खंडेलवाल वैश्य महासभा के राष्ट्रीय युवा मुख्य संयोजक बने शरद खंडेलवाल सेवा ही उद्देश्य को सार्थक करते शरद खंडेलवाल



राजनांदगांव (दावा)। अतिरिक्त भारतीय खंडेलवाल वैश्य महासभा के राष्ट्रीय युवा मुख्य संयोजक बने शरद खंडेलवाल सेवा ही उद्देश्य को सार्थक करते शरद खंडेलवाल

युवा संयोजक के पद पर सुशोभित होने वाले राजनांदगांव निवासी युवाओं की प्रेरणा श्री शरद खंडेलवाल को इस ऐतिहासिक सफलता पर अनेकोनक हार्दिक बधाई एवं अनंत-अनंत शुभकामनायें। आज राजनांदगांव खंडेलवाल समाज भी गौरवान्वित है राजनांदगांव खंडेलवाल युवाओं में हर्ष व्यास है समाज के युवाओं ने शरद खंडेलवाल को बधाई एवं शुभकामनाएं उनके निवास पर पहुंच कर दी। शरद खंडेलवाल ने कहा कि यह सब संस्कारधानी का,राजनांदगांव के पूरे जिले का,प्रदेश के सभी स्वजातीय बंधुओं का,मातृत्व शक्ति का विशेष रूप से युवा शक्ति मेरे भाईयो का जिन्होंने कथा से कथा मिलाकर मेरा साथ दिया,मेरे साथ खड़े रहे है आप सभी के आशीर्वाद से ही मैं यहाँ तक पहुँच पाया है। राष्ट्रीय युवा मुख्य संयोजक का पद जो मुझे मिला है मैं उसका निष्ठा पूर्वक पालन करूंगा एवं पूरे देश के युवाओं को समाजसेवा के लिए प्रेरित कर संगठन को देश के कोने-कोने में मजबूत करूंगा और समाज एकता को मजबूत करूंगा। उपरोक्त जानकारी खंडेलवाल वैश्य युवा समिति (छत्तीसगढ़ प्रदेश) प्रचार प्रमुख सौरभ खंडेलवाल ने दी।

अनमोल दावा

अच्छे कर्म करने के बावजूद भी लोग केवल आपकी बुराईयाँ ही याद रखेंगे, इसलिए लोग क्या कहते हैं इस पर ध्यान मत दो, तुम अपना कर्म करते रहो।



बजट का असंतोष आवंटन, विपक्ष का सरकार पर करारा हमला

राजग सरकार के दो कार्यकाल निर्विघ्न रहे, उनमें विपक्ष एक तरह से गायब था, इसलिए बजट पर अपेक्षित बहस नहीं हो पाती थी। मगर इस बार विपक्ष मजबूत स्थिति में है और सरकार उसकी आलोचना से बच नहीं सकती।

हर बजटीय प्रावधान के पक्ष और विपक्ष में तर्क होते हैं। अक्सर विपक्ष उसकी खामियों को लेकर हमलावर नजर आता है। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि इसे सामान्य सिद्धांत मान कर सरकार बजटीय पक्षपात या असंतुलित प्रावधानों को सही ठहरा सकती है। इस बार के बजट को लेकर विपक्ष शुरू से ही हमलावर है। बुधवार को संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्ष ने बाहर प्रदर्शन किया। चर्चा के दौरान दोनों सदनों में हंगामा होता रहा।

प्रश्नकाल में विपक्ष ने राज्यसभा से बहिर्गमन किया। विपक्ष की सबसे अधिक आपत्ति बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए विशेष आवंटन को लेकर है। उसका कहना है कि बाकी राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है। इसलिए कि सरकार को गठबंधन कायम रखने के लिए जद (एकी) और तदेपा को खुश रखना बहुत जरूरी है। इस पक्षपातपूर्ण आवंटन से नब्बे फीसद देश बजट में गायब है। मगर वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने इसके जवाब में कहा कि सभी राज्यों को कुछ न कुछ दिया गया है, उनका उल्लेख भले बजट में अलग से नहीं किया गया। हालांकि बजट में विशेष रूप से किसानों, महिलाओं और युवाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है, मगर उनके लिए भी बजटीय प्रावधान को विपक्ष संतोषजनक नहीं मान रहा।

राजग सरकार के दो कार्यकाल निर्विघ्न रहे, उनमें विपक्ष एक तरह से गायब था, इसलिए बजट पर अपेक्षित बहस नहीं हो पाती थी। मगर इस बार विपक्ष मजबूत स्थिति में है और सरकार उसकी आलोचना से बच नहीं सकती। अभी बजट पर चर्चा के दौरान और भी अनेक बातें रेखांकित होंगी। मगर इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि बजट पर गठबंधन के सहयोगी दलों का दबाव साफ नजर आता है। बिहार और आंध्र प्रदेश की जद (एकी) और तदेपा की राज्य सरकारें शुरू से विशेष दर्जे की मांग उठाती रही हैं। कयास तो यहां तक लगाए जा रहे थे कि अगर उन्हें विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिला तो दोनों दल केंद्र सरकार का साथ छोड़ सकते हैं। मगर केंद्र ने उन्हें विशेष राज्य का दर्जा देने से साफ मना कर दिया। फिर बजट में उन्हें भारी-भरकम विशेष आर्थिक पैकेज दिया गया। इन दोनों राज्यों को बांट कर जब दो नए राज्य झारखंड और तेलंगाना बने, तो केंद्र ने इन्हें विशेष दर्जा देने का आश्वासन दिया था, मगर वह पूरा नहीं हो सका। इस लिहाज से इनकी दावेदारी वाजिब थी, मगर इसका यह अर्थ नहीं कि बाकी राज्यों की वित्तीय स्थिति अच्छी है और वे अपने दम पर विकास कर सकते हैं।

केंद्र सरकार का दायित्व है कि वह सभी राज्यों को समान रूप से तरक्की के अवसर उपलब्ध कराए। हर राज्य में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार आदि की सुविधाएं सृजित करे। मगर अक्सर देखा गया है कि केंद्र की हर सरकार राज्यों के लिए वित्तीय आवंटन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाती है। इसी के चलते अक्सर असंतोष और विरोध का स्वर उभरता है। केंद्र और राज्यों के बीच टकराव की स्थितियां बनती देखी जाती हैं। ठीक है कि इस वक्त राजग के सामने केंद्र में स्थायित्व का संकट है, इसलिए वह अपने दो बड़े सहयोगी दलों की मांगों की अनदेखी नहीं कर सकता। मगर संतुलन की अपेक्षा तो उससे की ही जाती है। अगर कुछ राज्यों और वर्गों की वास्तविक जरूरतों को नजरअंदाज कर केवल अपने पक्ष के वर्गों और राज्यों को अधिक सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाती हैं तो इससे देश का संतुलित विकास संभव नहीं हो पाता।

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के खिलाफ बीजेपी के ओबीसी नेताओं की कश्मकश

सैयद मोजिज इमाम जैदी

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही उत्तर प्रदेश में राजनीतिक गहमाहमी लगातार बढ़ रही है। बीजेपी अपने दम पर सरकार बनाने के लिए बहुमत हासिल करने में नाकाम रही और इसमें सबसे बड़ी भूमिका रही उत्तर प्रदेश की।

एक समय उत्तर प्रदेश में अपना वर्चस्व स्थापित करने वाली पार्टी बीजेपी इस लोकसभा चुनाव में दूसरे नंबर पर खिसक गई। समाजवादी पार्टी ने बीजेपी से ज्यादा सीटें हासिल कीं। इसी के साथ बीजेपी में समीक्षा और चिंतन का दौर शुरू हुआ और कहीं न कहीं निशाने पर आ गए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, लोकसभा चुनाव के नतीजे ने ओबीसी वोट को लेकर बीजेपी की चिंता बढ़ा दी है। ओबीसी और दलित मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा बीजेपी से खिसक गया है।

इन सबके बीच उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी काफी सक्रिय हो गए हैं। माना जा रहा है कि बीजेपी के अंदर ओबीसी नेता काफी चिंतित हैं। हाल ही में यूपी के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की एक चिट्ठी वायरल हो रही है, जिसमें मौर्य ने कामिक विभाग से जानकारी मांगी है कि सविदा और आउटसोर्सिंग के जरिए भर्ती किए जा रहे कर्मचारियों में किस तरह आरक्षण दिया जा रहा है।

ये विभाग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास है और माना जा रहा है कि मौर्य ने आरक्षण के जरिए मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है। हालांकि केशव प्रसाद मौर्य के सवाल के बाद यूपी के सूचना विभाग ने आंकड़े जारी किए हैं।

इसमें बताया गया है कि 512 आउटसोर्सिड कर्मचारी विभाग में लिए गए हैं, जिसमें 75 फीसदी यानी 340 ओबीसी वर्ग के हैं। मौर्य के ऑफिस में विरोधी खेमे के नेताओं का जमावड़ा लग रहा है। मिलने वालों में विधायक, मंत्री, सांसद और पूर्व सांसद हैं। बीजेपी के सहयोगी ओम प्रकाश राजभर और संजय निषाद भी मौर्य से मिले हैं, इसके अलावा दारा सिंह चौहान ने भी मौर्य से मुलाक़ात की है। इसके जवाब में योगी आदित्यनाथ अपने खेमे के ओबीसी नेताओं से मुलाक़ात कर रहे हैं।



बुधवार को सीएम योगी ने नरेंद्र कश्यप से मुलाक़ात की जो पिछड़ा वर्ग मंत्री हैं। इसके अलावा वे राज्य मंत्री रामकेश निषाद और रानीगंज के विधायक रामेश कुमार वर्मा से भी मिले हैं। चुनाव के नतीजों के बाद बीजेपी के ओबीसी नेताओं में बेचैनी है। वजह स्पष्ट है कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी से गैर यादव ओबीसी छिटक गया है। योगी विरोधी ओबीसी नेता लामबंद हो रहे हैं और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य खुलकर बैटिंग कर रहे हैं। उनके निशाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं, क्योंकि ओबीसी नेता हार के लिए योगी को ज़िम्मेदार ठहरा रहे हैं और अपनी साख बचाने की कवायद में लगे हैं।

बीजेपी के कुर्मी, मौर्य, राजभर और पासी समाज के नेता परेशान दिखाई दे रहे हैं। बीजेपी से इस चुनाव में वे वर्ग खासा दूर हुआ है जिसका नतीजों पर असर पड़ा है। वे वर्ग साल 2014 से बीजेपी के साथ था और साल 2022 तक एकजुट तरीके से बीजेपी के जीत में अहम भूमिका निभाता रहा। लेकिन अब वे वर्ग दूर हो रहा है। बीजेपी और इन नेताओं के सामने चुनौती है कि कैसे इस वर्ग को वापस लाया जाए। बीजेपी ने ओबीसी विभाग की बैठक बुलाकर नेताओं से कहा है कि वो अपने समाज को फिर से पार्टी के साथ जोड़ें। लेकिन ये रास्ता इतना आसान नहीं है। बीजेपी की मुश्किल पर वरिष्ठ पत्रकार अनिल चमडिया कहते हैं - ओबीसी का मतलब गुप ऑफ़ कार्ट है। बीजेपी ने इनको अपनी राजनीति के हिस्सा से जोड़ा था, लेकिन कोई एजेंडा नहीं बनाया बल्कि इनमें से कुछ को प्रतिनिधि बनाया, जबकि प्रतिनिधि और प्रतिनिधित्व में फर्क है क्योंकि जो समाज के मुद्दे थे वो हलिया पर चले गए, इसकी वजह बीजेपी की विचारधारा है जो आड़े आ रही थी। इसलिए बीजेपी ने अलग-अलग जातियों को अपने हिस्से से जोड़ा था ना कि एकभ्रत योजना बनाकर

ओबीसी को अपने साथ लेकर आए थे। लेकिन दूसरी ओर मुख्यमंत्री से बुधवार को मिलने वाले पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री और बीजेपी के ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप से कहा, बीजेपी से कहा, बीजेपी के पक्ष में लामबंद हो रहा है। इसके लिए ज़मीनी काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, 29 जुलाई को बीजेपी के ओबीसी विभाग की बैठक बुलाई गई है, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दोनों उप मुख्यमंत्री हिस्सा लेंगे। संगठन की पूरी कवायद है कि साल 2024 के चुनाव को जो भी वर्ग हार गई है, उसको पूरा किया जाए। ये सतत प्रक्रिया है जो साल 2027 के चुनाव तक चलेगी। इसके लिए हम अपने लोगों के बीच जाकर संवाद स्थापित करेंगे।

कश्यप ने मौर्य की आरक्षण वाली चिट्ठी का जवाब देते हुए कहा, अभी सविदा और आउटसोर्सिंग पर आरक्षण लागू नहीं है। ऐसे में सिर्फ सरकारी नौकरी में ही वे लागू हो सकता है, हालांकि अगर ऐसा होता है तो पिछड़ी जातियों के लिए अच्छा होगा। ओबीसी मतदाताओं ने दो लोकसभा चुनाव और दो विधानसभा चुनाव में बीजेपी की जीत में अहम योगदान दिया है।

लेकिन साल 2024 आते-आते खतरे की घंटी बज गई है। अब यह गैर यादव ओबीसी दूसरी तरफ देख रहा है। इसकी वजह से बीजेपी के ओबीसी नेता भी बेचैन हैं। सीएसडीएस लोकनीति के सर्वे में बताया गया है कि बीजेपी को ऊँची जातियों का वोट 79 फीसदी मिला। वहीं इंडिया गठबंधन को सिर्फ 16 फीसदी वोट मिले। लेकिन इंडिया गठबंधन ने ओबीसी वोट में बढ़त बनाई। ओबीसी वोटर्स ने सविधान, आरक्षण और बेरोजगारी के मुद्दे पर वोट किया है। सीएसडीएस के सर्वे के मुताबिक इस चुनाव में बीजेपी को कोरी-कुर्मी का 61 फीसदी वोट मिला

लेकिन ये पिछली बार से 19 फीसदी कम है। वहीं गैर यादव ओबीसी का 59 फीसदी वोट मिला है जो पिछली बार से 13 फीसदी कम है। गैर जाटव दलित वोट बीजेपी को 29 फीसदी मिला है जो पिछली बार से 19 फीसदी कम है। साल 2019 के चुनाव में बीजेपी ने 62 लोकसभा सीट अकेले ही जीती थी, लेकिन साल 2024 में सिर्फ 33 सीट जीत पाई है। इस पर पिछड़ा वर्ग मंत्री नरेंद्र कश्यप का कहना है कि पार्टी अपने नेताओं को फिर से प्रशिक्षित करके इस वर्ग को जोड़ने की कोशिश करेगी। कश्यप किसी भी तरह के अंदरूनी कलह से इनकार कर रहे हैं। सोमवार को योगी आदित्यनाथ की मीटिंग में बीजेपी के सहयोगी ओमप्रकाश राजभर नहीं गए। वे केशव प्रसाद मौर्य से लखनऊ में मिले। जल्द ही उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने जा रहा है। जिनमें अयोध्या की मिल्कीपुर सीट और अंबेडकर नगर की कटेहरी सीट भी है, जहाँ से लालजी वर्मा सांसद चुने गए हैं वहीं मिल्कीपुर से विधायक रहे अवधेश प्रसाद फ़ैजाबाद सीट से सांसद चुने गए हैं। वहीं नहीं, समाजवादी पार्टी के पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक (पीडीए) कार्ड से सुल्तानपुर, मछली शहर, आजमगढ़, कौशांबी और प्रयागराज में भी बीजेपी को हार का मुह देखा पड़ा। गाजीपुर बलिया भी पार्टी के हाथ से चली गई बस्ती और श्रावस्ती में भी पिछड़ी जाति के नेता समाजवादी पार्टी से सांसद चुने गए। केशव प्रसाद मौर्य की अपनी महत्वाकांक्षा है। साल 2017 में वो प्रदेश के अध्यक्ष थे। उनकी अगुवाई में चुनाव लड़ा गया था, लेकिन बाजी योगी आदित्यनाथ के हाथ लगी। लेकिन पाँच साल में मौर्य का जलवा कम नहीं रहा। वे पीडब्ल्यूडी जैसे विभाग के मंत्री थे, लेकिन साल 2022 के चुनाव में सिराथू से चुनाव हार गए। उनको पार्टी ने उपमुख्यमंत्री तो बनाया लेकिन मंत्रालय बदल दिया तभी से मौर्य नाराज हैं। जितन प्रसाद के केंद्र में मंत्री बन जाने की वजह से पीडब्ल्यूडी विभाग खाली हो गया है, लेकिन अभी तक वे मौर्य को नहीं मिल पाया है। मौर्य के संगठन वाले बयान को इस चर्चा से भी देखा जा रहा है कि वो मुख्यमंत्री को दबाव में लेना चाहते हैं।

विवार सरिता

मन में बसे हैं राम - 215 : सुमंत जी ने श्री राम को राजा दशरथ के पास तत्क्षण जाने के लिए कहा

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय



सीता जी आगे कहने लगीं, "प्रकाश के ये कण यह बताने के लिए हैं कि जीवन में अंधेरे के मध्य भी प्रकाश की उपस्थिति है और इसलिए निराश होने की आवश्यकता नहीं है। "सत्य कहा सीते!" मुस्कुराते हुए श्री राम ने कहा।

श्री राम ने अनुरोध से सीता जी की दाहिनी हथेली अपनी बाईं हथेली में रख ली और दोनों एक दूसरे का हाथ पकड़कर पूर्व दिशा में अंबर को निहारने लगे। दोनों कुछ देर इसी तरह आकाश में बनने वाली विभिन्न मनोहर

आकृतियों को निहारते रहे। समय थम सा गया है और कितना अच्छा होता अगर यह समय यूँ ही उठर जाते, लेकिन थोड़ी ही देर में द्वार पर प्रतिहारी की ध्वनि सुनाई दी और उसने मंत्री सुमंत के आगमन की सूचना दी। हंसते हुए श्री राम ने कहा, "अरे! सुमंत जी को यहाँ आने की क्या आवश्यकता थी? मैं तो स्वयं यहाँ से प्रस्थान कर श्री हरि विष्णु के मंदिर की ओर प्रस्थान करता और अभिषेक समारोह के लिए अपनी उपस्थिति देता।" सीता जी के मुख के भाव बदलने लगे। उन्होंने कहा, "पता नहीं मुझे ऐसा क्यों लग रहा है स्वामी कि कोई विशेष घटना हुई है। तभी सुमंत जी इतनी सुबह यहाँ हमारे निज भवन में पधारे हैं।"

श्री राम आर्गुंत कश्म में पहुँचे, जहाँ सुमंत जी व्यग्रता के साथ उनका उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। श्री राम को देखते ही वे अपने आसन से उठ खड़े हुए। "प्रणाम राजकुमार जी!" "प्रणाम सुमंत जी! विराजिए।" सुमंत जी ने बताया, "एक गंभीर समस्या को लेकर मैं आपके समक्ष उपस्थित हुआ हूँ राजकुमार जी। महाराज दशरथ ने आपका रानी कैकेई के निज कक्ष में स्मरण किया है। वे आपसे तत्क्षण भेंट करना चाहते हैं।" "अरे! यह स्थिति है सुमंत जी? मैं शीघ्र चलता हूँ। आइए, पिताश्री के पास चलें।" श्री राम ने कहा। (भगवान श्री विष्णु के मनुज

अवतार भगवान श्री राम और माता सीता की कथा हजारों वर्षों से भारतीय जनमानस में प्रचलित है। संस्कृत में आदिकवि वाल्मीकि और हिंदी साहित्य में अश्वघोष के महाकवि तुलसी से लेकर विश्व की अनेक भाषाओं में अब तक सैकड़ों रामायण लिखी गई हैं।लेखक ने इस रचना में श्री राम की महागाथा के विविध प्रसंगों से कथा प्रवाह की प्रेरणा प्राप्त की है। उन्होंने साथ ही उन रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कथा के तारतम्य, क्रमबद्धता एवं प्रवाह हेतु अनेक स्थानों पर एक साधारण भक्त की अपनी नवीन रचनात्मक कल्पनादृष्टि का भी सहारा लिया है और रामकथा की मौलिक साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)



सामयिक चर्चा

स्वाभाविक प्रश्न

खबर पढ़कर, बानी बोले- "गजाधर! केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने एक आदेश जारी कर सरकारी कर्मचारियों के, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यक्रमों में भाग लेने पर, लगे प्रतिबंध को हटा दिया है। इस पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह जी चौहान ने फैसले को अभिनन्दनीय निरूपित करते हुए पीएम मोदी जी के प्रति व्यक्त किया है अपना आभार!" गजाधर मुस्कराए बोले- "बानी! अभी तो यह ठीक है, पर जब सरकार बदलेगी, तब ऐसे संचयित कर्मचारियों का क्या हाल होगा यार?" गिरिश बख्शी

स्मृतियाँ - 1

'जीवन के रंग' सीखने के लिए सीखना

कोरिया जिले में एक शिक्षिका थी। मैंने उन्हें अंग्रेजी भाषा संस्थान रायपुर में एक माह का अंग्रेजी प्रशिक्षण दिया था। तब वे 'अंग्रेजी शिक्षण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा' कोर्स विभागीय तौर पर दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से 'अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा वि.वि.' हैदराबाद से कर रही थीं।

उनका एक पेपर था 'साहित्य की व्याख्या'। उन्होंने एक पैराग्राफ मुझे व्हाट्सअप कर पूछा वे साहित्य है या नहीं? पैराग्राफ कुछ अजीब था। पढ़ने में सहज नहीं था। मैं बहुत कुछ जानता हूँ, लेकिन, सच कुछ तो नहीं। मैंने टालने की कोशिश की "साफ नहीं है।" उन्होंने दुबारा फोटों खींच कर भेजा। अब दुविधा मेरी थी। उसे उत्तर बनाया था। मैंने गुगल सर्च किया। गुगल ने बता दिया - वो सुप्रसिद्ध दार्शनिक नित्से की पंक्तियाँ थीं। मैंने इट उसे लिख दिया 'गुगल सर्च करो।' उसने सर्च किया और उसके उत्तर मिल गया।

21 वीं सदी में 'शिक्षा की चुनौतियाँ' पर जैकिस डेलर्स की अध्यक्षता में गठित 'विश्व शिक्षा आयोग' ने अपने प्रतिवेदन में शिक्षा के प्रमुख चार आधार स्तम्भ का जिक्र किया है। जिसमें पहला है - सीखने के लिए सीखना 2, कुछ बनने के लिए सीखना 3, कुछ करने के लिए सीखना 4, साथ-साथ जीना सीखना अर्थात्, हमारी प्राचीन मूल मंत्र है 'वसुधैव कुटुम्बकम्'। पूरी पृथ्वी की परिवार है। आज की शिक्षा की यही चुनौती है। ज्ञान/जानकारी सच कुछ सहज उपलब्ध है। कमी है तो बस उस ज्ञान/जानकारी को सच कुछ सहज उपलब्ध में आर्थिक फायदा मिलेगा। इस दौरान आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा।

युगल किशोर तिवारी राजनांदगांव मो- 8827292489

शब्द सामर्थ्य -129 (भगवान साहू)
Crossword puzzle grid with clues in Hindi.

सु-दोक् क्र.129
Sudoku puzzle grid with clues in Hindi.

राशिफल

आज आपका दिन खुरियों से भरा होगा। किसी प्रियवर्ती परीक्षा का रिजल्ट आपके पक्ष में आएगा। आर्ट, मॉडिंग से जुड़े लोगों को नौकरी के नये अवसर मिलने के योग है। आपको, ऑफिस में आपके कार्यों के लिए सम्मान मिलेगा। आपकी इनकम बढ़ेगी। आपका पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा।

आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आप अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए नये फैसले लेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में अच्छा बदलाव आएगा। कोई विजनेस ट्रेड भी कर सकते हैं। आपको सुबह अनुभव के साथ मानसिक सुकून मिलेगा। आज आप परिवार के खुशहाल माहौल में दिन बिताएंगे।

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपके परिवार का माहौल सुखद रहेगा। आपसी तालमेल देखकर आपको खुशी होगी। आपकी प्रोफेशनल लाइफ शानदार रहेगी। आज किए गए प्रयासों में दौतुना लाभ होगा। आप आर्थिक तौर पर खुद को मजबूत पावेंगे। जो लोग चिकित्सा से जुड़े हैं, उनके लिए उत्तम समय है।

आज आपका दिन खराब रहेगा। आपको आपके करियर के क्षेत्र में अगर संभावनाएँ मिलेंगी आपका कोई सरकारी काम बनेगा। उच्च अधिकारियों के सहयोग से आपको नौकरी में लाभ होगा। आपको नई दिशा मिलेगी। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपकी लाइफ स्टायल में बदलाव देखने को मिलेगा।

मेष

वृषभ

कर्क

सिंह

मिथुन

कन्या

धनु

कुंभ

मिथुन

धनु

मीन

मीन

बाल गंगाधर तिलक, चंद्रशेखर आजाद की जयंती, बिसाहू दास महंत की पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने किया नमन

राजनांदगांव (दावा)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह खड्का के नेतृत्व में 23 जुलाई मंगलवार को स्थानीय कांग्रेस भवन में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं.बाल गंगाधर तिलक, स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती व छत्तीसगढ़ के स्वप्नदूत व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.बिसाहू दास जी महंत की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी सभा आयोजित की गई।



संगोष्ठी सभा का संचालन शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव अमित चंद्रशेखरी ने किया। संगोष्ठी सभा को संबोधित करते हुए सभा के नेतृत्वकर्ता कुलबीर सिंह खड्का ने भारत के समुद्र स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाल गंगाधर तिलक, क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. आदर्श महापुरुष ने अपना बलिदान देकर देश को आजाद कराया था। युवाओं के मार्गदर्शक हैं चंद्रशेखर आजाद देश की आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, शहीद चंद्रशेखर आजाद ने कहा था कि आजाद हूँ और आजाद मरूंगा। यह हमारे लिए बहुत ही गौरव की बात है कि छत्तीसगढ़ के स्वप्नदूत व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.बिसाहू दास जी हम कांग्रेस पार्टी से जुड़े हैं, हम हमेशा इनका स्मरण करते रहे और उनके बलिदान को आने वाली पीढ़ी को बताएं। देश के विकास में कांग्रेस का

एक पौधा मां के नाम के तहत पौधरोपण किया भाजपा नेताओं ने



डोंगरगढ़ (दावा)। सावन मास के प्रारंभ होते ही पहले सोमवार को भगवान भोलेनाथ जी की पूजा अर्चना के बाद देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आबान को आत्मसात करते हुए एक पेड़ मां के नाम के तहत भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र बत्रो आना, पुर्व विधायक विनोद खांडेकर, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, चौरङ्गिया अंकल, सुनिल जैन, मंडल अध्यक्ष अमित जैन महामंत्री राकेश अग्रवाल, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस की उपस्थिति में एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधरोपण किया गया।

रामलला दर्शन, अयोध्या धाम के लिए जिले के 25 नागरिक रवाना हुए

मोहला (दावा)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वकांक्षी योजना श्री रामलला दर्शन यात्रा, अयोध्या धाम के लिए जिला मोहला-मानपुर-अं.चौकी से द्वितीय चरण में 25 तीर्थ यात्रियों का दल आज रवाना हुए। सभी तीर्थयात्री एक साथ दुर्ग रेलवे स्टेशन से अन्य तीर्थ यात्रियों के साथ अयोध्या धाम के लिए रवाना होंगे। तीर्थ यात्रियों का यह दल अयोध्या धाम पहुंचकर श्री रामलला का दर्शन करेंगे। यात्रा के दौरान तीर्थ यात्रियों को निःशुल्क भोजन एवं अन्य सुविधा मुहैया कराया जाएगा।

कलेक्टर ने ली जिलाधिकारियों की समय सीमा की बैठक

मोहला (दावा)। कलेक्टर एस.जयवर्धन ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिलाधिकारियों की समयसीमा बैठक लेकर विभिन्न लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। कलेक्टर ने बैठक में शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं, सेवाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी अधिकारी जिम्मेदारीपूर्वक योजनाओं का क्रियान्वयन करें। कलेक्टर ने अधिकारियों को पात्र लोगों को योजनाओं, सेवाओं और कार्यक्रमों से लाभांशित करने के निर्देश दिए हैं। सभी अधिकारियों को विभागीय योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्यों, विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने लंबित

सुदेश देशमुख ने सचिन पायलट से चर्चा की



राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा रायपुर में आयोजित राज्य की लचर कानून-व्यवस्था, अपहरण, लूट-पाट, हत्या तथा विगत दिनों बलौदाबाजार में घटित आगजनी व खाद-बीज की कमी सहित किसान भाईयों के विभिन्न मुद्दों को लेकर विशाल विधानसभा घेराव प्रदर्शन में पूर्व महापौर सुदेश देशमुख शामिल हुए प्रदर्शन के दौरान प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व मंत्री रवीन्द्र चौब, पूर्व मंत्री कवासी लखमा एवं अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं से मुलाकात हुई, प्रदर्शन के पश्चात सुदेश देशमुख ने प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट से मुलाकात कर वर्तमान राजनीति परिस्थितियों पर चर्चा की एवं आगामी नगरीय निकाय चुनाव को लेकर सुझाव दिया, साथ में पूर्व पार्षद चन्द्रशान बाजपाई, इंद्रक के नेता जय नारायण सिंह, मजदूर कांग्रेस के अध्यक्ष सुरेंद्र देवांगन उपस्थित थे।

बोर्ड परीक्षा द्वितीय अवसर के संबंध में बैठक

मोहला (दावा)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा बोर्ड कक्षा द्वितीय अवसर मुख्य परीक्षा आयोजित किया जा रहा है। कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाएं 23 जुलाई से 12 अगस्त तक संचालित होगी। इस संबंध में परीक्षा के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी अविनाश ठाकुर ने शिक्षा विभाग के शिक्षा अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने संचार रूप से पारदर्शिता पत्र व कक्षा परीक्षा आयोजन करने के लिए जिले में 3 परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

साथ ही सभी केंद्राध्यक्षों को विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत परीक्षा में उपस्थिति सुनिश्चित करने निर्देशित किया गया है। जिला मोहला-मानपुर-अं.चौकी में परीक्षा संचालन हेतु तीन परीक्षा केन्द्र सेजेस मोहला, सेजेस मानपुर एवं सेजेस अं.चौकी बनाया गया है। जिले में तीन परीक्षा केन्द्रों में कक्षा दसवीं के 192 छात्र-छात्राएं एवं 12वीं में 249 छात्र-छात्राएं सम्मिलित होंगे। यह परीक्षा निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में प्रातः 9:00 बजे से 12:15 बजे तक आयोजित किया जायेगा। परीक्षा में परीक्षार्थी अपने प्रवेश पत्र के साथ उपस्थित होंगे। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी एफ.आर.कोसरिया, जिला समन्वयक टी.आर. कारटे, परीक्षा प्रभारी के.के. आनेन्द्र, केन्द्राध्यक्ष साईद कुरेशी, श्रीमति रेणुका देशमुख, आर.बी. सिंह उपस्थित थे।

पारदर्शिता पूर्वक सूचारु रूप से परीक्षा संचालित करने के लिए दिए गए निर्देश

10वीं एवं 12वीं बोर्ड मुख्य परीक्षा द्वितीय अवसर

वदे भारत को जबलपुर से रायपुर चलाने की मांग ने जोर पकड़ा

डोंगरगढ़ (दावा)। जिले वासियों को जब से रेलवे द्वारा वदे भारत एक्सप्रेस के जबलपुर से रायपुर होते हुए दुर्ग चलाने की जानकारी मिली है। तब से वदे भारत एक्सप्रेस को गाँविया होते हुए रायपुर चलाने की मांग तेज हुई है। ताकि इसका लाभ राजनांदगांव और डोंगरगढ़ की जनता के अलावा डोंगरगढ़ में आने वाले पर्यटकों को भी मिले। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर से रायपुर वदे भारत एक्सप्रेस की संभावना गुगल में दर्शित एक समाचार 9 जुलाई के अनुसार रेलवे शीर्ष ही जबलपुर से रायपुर के बीच वदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन करने जा रही है। इस प्रस्तावित ट्रेन का रुट स्पष्ट नहीं किया गया है। धर्म नगरी डोंगरगढ़ में करोड़ों रुपये के प्रस्ताव योजना की सीमागत वदे वाले सांसद संतोष पांडे से क्षेत्र वासियों द्वारा अपेक्षा की गई है कि वे बजट सत्र में जबलपुर से रायपुर के लिए प्रस्तावित वदे भारत एक्सप्रेस को संसदीय क्षेत्र से होकर ले जाने की मांग करें। ताकि संसदीय

क्षेत्र की जनता और यहां आने वाले लाखों पर्यटकों को सुविधा मिल सके। ये विडंबना है कि जब भी नई ट्रेन का संचालन किया जाता है तो वो दुर्ग से या गाँविया से किया जाता है, इससे दुर्ग और गाँविया के बीच की जनता को रेल का लाभ नहीं मिल पाता है। आज भी राजनांदगांव, डोंगरगढ़ और आमगांव क्षेत्र की जनता को जबलपुर जाने के लिए दुर्ग या गाँविया स्टेशन जाना पड़ता है, अतः उचित होगा कि प्रस्तावित वदे भारत एक्सप्रेस को जबलपुर से रायपुर के बीच 1 वीआईएनएन, बालाघाट, गाँविया, डोंगरगढ़, राजनांदगांव एवं दुर्ग होकर चलाया जाए। जबलपुर से रायपुर 1वीआईएनए गाँविया की दूरी लगभग 410 कि.मी. है, जो कि 1वीआईएनए कटनी, बिलासपुर की तुलना में लगभग 105 कि.मी. कम है। इस प्रस्तावित वदे भारत एक्सप्रेस को जबलपुर से रायपुर 1 वीआईएनए नैनपुर, गाँविया एवं दुर्ग होकर और इसका स्टॉपिज नैनपुर, बालाघाट, गाँविया, डोंगरगढ़,



सभी रूटों की ट्रेनों का स्टॉपिज होने से डोंगरगढ़ आने वाले पर्यटकों को मिलेगी सुविधा डोंगरगढ़ का नाम उभरते हुए पर्यटन केंद्र के रूप में देश के मानचित्र में हुआ अंकित प्रसाद योजना के तहत पर्यटकों के मनोरंजन के लिए करोड़ों के निर्माण कार्य अंतिम चरण में

राजनांदगांव एवं दुर्ग में देते हुए, चलाने के लिए आम नागरिक तथा राजनैतिक दलों को विशेष प्रयास करना चाहिए। सुविधा के मामले में रेल अधिकारियों के उपेक्षा का शिकार बना है जिला राजनांदगांव - बाम्बे हवड़ा रेल मार्ग के मध्य स्थित सर्व धर्म की नगरी डोंगरगढ़ में प्रतिदिन हजारों की संख्या में आने वाले पर्यटकों से रेलवे को प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये की आय होती है। यहां स्थित विश्व प्रसिद्ध बमलेधरी धाम जहां वर्ष में दो मर्तबा नवरात्र पर्व के अवसर पर विशाल

मेले का आयोजन होता है। जिसमें लाखों की संख्या में देश के कोने-कोने से सामाजिक गण लेने आते हैं। यहां स्थित विश्व प्रसिद्ध चादगिरि तीर्थ स्थल जिसे समाधिनीन आचार्य विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद व संरक्षण में प्रांभ किया गया था। विशाल जैन धर्मस्थल का निर्माण अंतिम चरण में है। जहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में देश विदेश से भक्त गण समाधि लीन आचार्य विद्यासागर जी महाराज के दर्शन लाभ लेने आते हैं। इसी प्रकार अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन के लिए प्रसिद्ध प्रजा गिरी स्थित पर्वत पर बौद्ध फीट उंची विशाल प्रतिमा स्थापित की गई है जहां प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन का आयोजन होता है। आयोजन में शामिल होने देश-विदेश से लाखों की संख्या में अनुयायि डोंगरगढ़ पहुंचते हैं। बड़ी संख्या में निवासित क्रिश्चियन समाज के अनुयायियों द्वारा कलवार पहाड़ी पर प्रतिवर्ष दो मर्तबा विशाल धर्म मेले का आयोजन किया जाता है। जिसमें लाखों की संख्या में देश के कोने-कोने से सामाजिक गण प्रतिवर्ष धर्म सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। सिख समाज की बहुलता वाले डोंगरगढ़ को मिनी पंजाब के रूप में भी जाना जाता है। सामाजिक गणों की ओर से समय-समय पर बड़े आयोजन होते रहते हैं। जिसमें देश के कोने-कोने से सामाजिक गण डोंगरगढ़ पहुंचते हैं। किंतु रेल प्रशासन द्वारा डोंगरगढ़ रेलवे को यात्रियों की सुविधा के नाम से कुछ देने के स्थान पर पूर्व में दी जा रही सुविधाओं को भी गाँविया और दुर्ग की ओर स्थानांतरित किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर धर्म नगरी में आने वाले पर्यटकों की संख्या में निरंतर बढ़ती देखने को मिल रही है। यही वही रेल मार्ग से पर्याप्त सुविधा रेलवे द्वारा दी जाएगी तो जहां रेलवे को अधिक लाभ होगा वहीं पर्यटकों को सुविधा मिलेगी और पर्यटकों की संख्या निरंतर बढ़ेगी।

मन्त्री-विपक्षी सांसदों में। विपक्षी सांसद भी उसी अंदाज में मुखर होकर वेल में आने लगे। देश के लिए शहीद हुए मेरे दादा: बिट्टू भाषण के दौरान चन्नी ने भाजपा सरकार की नीतियों की तुलना अंग्रेजों से की और बिट्टू की वफादारी पर कटाक्ष किए तो तकरार बढ़ने लगी। टोका-टोकी से असहज चन्नी ने बिट्टू से कहा कि आपके दादा (सरदार बेअंत सिंह) उस दिन शहीद नहीं हुए बल्कि उस दिन मेरे जिस दिन आपने कांग्रेस छोड़ी। इससे आग बबूला हुए बिट्टू ने कहा कि उनके दादा देश के लिए शहीद हुए, कांग्रेस के लिए नहीं। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष और लुधियाना के सांसद अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने बिट्टू को चुनौती देते हुए कहा कि सांसद में वे उनको हरा चुके हैं और वहां भी शिकस्त देंगे। पंजाब से कांग्रेस के तमाम कांग्रेस सांसदों के अलावा पार्टी के दर्जनभर अन्य सांसद भी वेल में पहुंच गए। राजनाथ सिंह ने की भाषणों को रिकॉर्ड से हटाने की मांग- कांग्रेस नेता केशी वेणुगोपाल ने दो बजे सदन शुरू होते ही मंत्री बिट्टू की चन्नी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों का मामला उठाते हुए कहा कि यह बेहद आपत्तिजनक है कि मंत्री ने एक सांसद पर हमले का प्रयास किया। उन्होंने बिट्टू से माफी तथा उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। राजनाथ सिंह ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि दोनों पक्षों की ओर से दिए गए कटु भाषणों को रिकॉर्ड से हटा दिया जाए। स्पीकर ने सांसदों को दी नसीहत - बिलाने ने कहा कि सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों वेल में की लाइन से बाहर न जाएं, यह सुनिश्चित करें और मंत्री तो विशेष रूप से मर्यादा और गरिमा का ध्यान रखें। सदन की गरिमा को कम न करें। चन्नी ने फिर अपना भाषण पूरा करना शुरू किया तो किसानों के मुद्दे पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से उनकी नोकझोंक हुई। गोयल ने चन्नी पर किसानों के मामले में गुमराह करने का आरोप लगाया और प्रमाण देने की मांग की। नियमों तक जा पहुंची बात- स्पीकर ने भी चन्नी से उनकी बातों का प्रमाण देने के लिए कहा तब तुणमूल कांग्रेस के सुदीप बंधोपाध्याय ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि प्रमाण देने की परिपाटी राज्यसभा में है, लोकसभा में नहीं। इस पर भी पक्ष-विपक्ष के बीच हंगामा हुआ और चन्नी को अपना भाषण खत्म करना पड़ा। बिट्टू ने चन्नी पर लगाया देशद्रोही की तरह व्यवहार करने का आरोप- मंत्री रवीन्द्र सिंह बिट्टू ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर लोकसभा में एक देशद्रोही की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया।

प्रथम पेज का शेष बिट्टू ने कहा कि चन्नी ने सदन के माध्यम से पूरी दुनिया को गुमराह करने की कोशिश की। बिट्टू के अनुसार, चन्नी ने सदन में कहा कि सरकार ने किसानों पर एनएफए लगाया है, जो सरासर झूठ है। हकीकत यह है कि एनएफए के तहत सिर्फ उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है, जो पंजाब और देश को तोड़ना चाहते हैं। बिट्टू के मुताबिक, जब उन्होंने चन्नी से उन किसान नेताओं के नाम बताने की चुनौती दी, जिन पर एनएफए के तहत कार्रवाई की गई है तो वे बैकफुट पर आ गए और उनके पास कोई जवाब नहीं था। उन्होंने कहा कि चन्नी के कारण पूरी कांग्रेस पार्टी और आईएनडीआईए को सदन में शर्मसार होना पड़ा। बजट में कटौती कर शिक्षा व्यवस्था... विश्वविद्यालयों को नियंत्रित करना, स्वायत्त संस्थानों के धन को गला घोटाना, उनकी स्वायत्तता को कम करना, सार्वजनिक शिक्षा को नष्ट करना और युवाओं को धोखा देने के रूप में हमला लगातार जारी है!- मोदी सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 में शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिसमें बुनियादी शिक्षा, उच्च शिक्षा और रोजगार सृजन पर फोकस किया गया है। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को सर्वाधिक 73,498 करोड़ रुपये का आवंटन प्राप्त हुआ है। उच्च शिक्षा विभाग को 47,619.77 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में 3,525.15 करोड़ रुपये (7.99 प्रतिशत) की वृद्धि को दर्शाता है। वहीं एक करोड़ युवाओं को मासिक भत्ते के साथ इंटरनेट प्रदान करने की योजना शुरू करने का ऐलान किया गया है। खनिजों पर टैक्स के मामले में... न्यायमूर्ति बीबी नारायण ने बहुमत के फैसले से असहमति जताते हुए अलग से फैसला दिया है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के दो विपक्ष मतों के फैसले होने के कारण नै न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने मामले पर विचार किया था। 80 से ज्यादा याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में थीं लंबित - सात न्यायाधीशों की पीठ ने 1984 में इंडिया सोमेट के मामले में कहा था कि रॉयल्टी एक टैक्स है और खदान और खनिज एक्ट में केंद्र सरकार को प्राथमिक अधिकार है और राज्य इस एक्ट में रॉयल्टी एक्ट कर सकते हैं लेकिन खदान और खनिज पर अलग से कर या उप कर

नहीं लगा सकते। जबकि 2004 में पांच जजों की पीठ ने पश्चिम बंगाल बनाम केसोराम इंडस्ट्री के मामले में दिए फैसले में कहा था कि रॉयल्टी टैक्स नहीं है। दो विरोधी फैसलों के बाद इस मामले में 80 से ज्यादा याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में लंबित थीं। आठ दिन चली सुनवाई में केंद्र सरकार, खदान कंपनियों और सार्वजनिक उपक्रमों की दलील थी कि खदान और खनिज एक्ट के तहत सिर्फ संसद को टैक्स लगाने का अधिकार है। जबकि राज्य विरोधक झारखंड, उड़ीसा और असम राज्य की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी की दलील थी कि राज्यों को भी खनिज और खदान भूमि पर कर लगाने का अधिकार है। अभी भी फंसा है पेच- मामले में अभी एक पेच फंसा है कि सुप्रीम कोर्ट का गुस्वार का फैसला, फैसले की तारीख से लागू माना जाएगा या पूर्व तिथि से लागू माना जाएगा। फैसला सुनाए जाने के बाद राज्यों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने कोर्ट से इस मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट करने को कहा। पहले तो मुख्य न्यायाधीश ने इसके फैसले के दिन से लागू होने की बात कही। लेकिन मामला उलझ गया क्योंकि राज्यों की ओर से पेश वकील ने कहा कि इसे पूर्व तिथि से लागू होना चाहिए क्योंकि राज्य अपने इस अधिकार के लिए पहले से लड़ रहे हैं। केंद्र की ओर से पेश सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि फैसला बाद से ही लागू होना चाहिए। आखिरकार कोर्ट ने कहा कि वह इस मुद्दे पर बुधवार को सुनवाई करके निर्णय देगा। छत्तीसगढ़ में एनआईए की दस्तक... मोबाइल फोन जब अपने साथ ले गई है। कलादास डहरिया रेलाना नाम का जनवादी सांस्कृतिक संगठन (एनजीओ) चलाते हैं। यह एनजीओ किसान, आदिवासी और मजदूरों के संगठन के लिए काम करता है। इसके लिए इसे देश भर से फंडिंग मिलती है। एनआईए की टीम आज सुबह 5.30 बजे 4-5 गाड़ियों में कलादास डहरिया के घर पहुंचकर छापामारी कार्यवाही की गई। कार्रवाई को लेकर कलादास डहरिया ने बताया है कि एनआईए ने उनसे नक्सली संपर्क को लेकर खबर-जवाब किए हैं और मेरे मोबाइल में कई लोगों के पास मेरा मोबाइल नंबर है। ऐसे में ये नक्सलियों से सांठगांठ की शंका गलत है। हमारे द्वारा लगातार सरकार के खिलाफ मजदूर और किसानों के हित के लड़ाई लड़ते हैं।

जिससे सरकार को बर्दाशत नहीं और हमारी आवाजों को दबाने का काम किया जा रहा है। वहीं कलादास डहरिया को एक अगस्त को पुख्ताछ के लिए रांची झारखंड दफ्तर पर उपस्थित होने को कहा है। विधानसभा में गुंजा दवा और उपकरण... धरमलाल कौशिक ने कहा- मीनाक्षी गौतम सीजीएमएससी में महाप्रबंधक वित्त के पद पर थीं। क्या इसके विरुद्ध शिकायत हुई थी जिस पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि विभाग को मीनाक्षी गौतम के विरुद्ध कोई शिकायत प्राप्त नहीं है, धरमलाल कौशिक ने पूछ कि- ट्यूब की खरीदी किस दर पर की गई थी। जिसके जवाब में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि सौ ट्यूब के एक बंडल 2352 रुपये में खरीदी बताई गई थी। अन्य संस्थानों में 8 रुपये 50 पैसे की दर थी। मोहित कॉर्पोरेशन से 100 रुपये की दर पर खरीदी की गई। धरमलाल कौशिक ने आगे सवाल किया कि सिविल सर्जन रायगढ़ ने 2.15 पैसे में खरीदा था, सरुजा में लगभग इसी दर पर खरीदी की थी। उन्होंने पूछ कि डी डामर 2022 में किस दर पर खरीदी गई थी? इस सवाल पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सीजीएमएससी द्वारा सैकड़ों प्रकार के आइटम की खरीदी होती है। स्पेसिफिक बता पाना मुश्किल है। धरमलाल कौशिक ने कहा- सीजीएमएससी ने 10 लाख 95 हजार में खरीदा है। आज की कीमत ऑनलाइन पांच लाख रुपये है, यानी डबल दर पर खरीदी की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जैसे मोबाइल है एप्पल, इसके कई वैरिएंट होते हैं। वैरिएंट के हिसाब से उसकी दर तय होती है। इसी तरह अलग-अलग वैरिएंट की खरीदी उसके स्पेसिफिकेशन के आधार पर खरीदी होती है। जेम पोर्टल पर दिखाए जाने वाले स्पेसिफिकेशन और कालिटी में अंतर होता है, गुण-दोष का अंतर है। धरमलाल कौशिक ने कहा कि गुण दोष का अंतर नहीं है, यहां कमीशन का मसला है, कौशिक ने पूछ- इस मामले की जांच के लिये एक कमेटी बनाई गई थी, क्या जिन रिपोर्ट आ गई? श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि पिछली सरकार में दवा खरीदी और उपकरण खरीदी में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई थी, साथ सरकार आने के बाद इन मामलों की जांच के लिये एक कमेटी बनाई गई है। जांच व्यापक है। इसलिए समय लगेगा। धरमलाल कौशिक ने पूछ कि इस मामले की क्या उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी? जिसके जवाब में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि तीन महीने के भीतर इसकी जांच कराई जाएगी।

गोल्ड मेडलिस्ट भ्राता शीतलेश पटेल का ब्रह्माकुमारीज द्वारा किया गया सम्मान

राजनांदगांव (दावा)। कजाकिस्तान में 15 जुलाई से 19 जुलाई तक आयोजित 11वीं विश्व स्तरीय स्ट्रेंथ लिफ्टिंग प्रतियोगिता 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले राजनांदगांव के सपूत शीतलेश कुमार पटेल जिन्होंने इस प्रतियोगिता को जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया।



उनका आज राजनांदगांव आगमन पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आत्मीय अभिनंदन किया गया। भ्राता शीतलेश जी विजय श्री हासिल कर दिल्ली से गोंडवाना एक्सप्रेस से राजनांदगांव पहुंचे स्टेशन से सीधे बैंड बाजा के साथ लालबाग स्थित ब्रह्माकुमारीज आश्रम पहुंचे जहां उनका सम्मान समारोह का कार्यक्रम रखा गया था। इस अवसर पर उपस्थित सेवाकेंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी जी ने उनका तिलक लगाकर साल

ओढ़ाकर एवं गुलदस्ता भेंटकर सम्मान किया। दीदी जी ने अपने आशीर्चन में कहा कि शीतलेश भाई ने कजाकिस्तान में विजयश्री हासिल कर विश्व में भारत का नाम रोशन किया है यह हम सभी राजनांदगांववासियों के लिए अत्यंत गौरव की बात है। इसके बाद भ्राता शीतलेश जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि मैं राजयोग का अभ्यास करता हूँ इसलिए परमपिता परमात्मा शिव के असौम कृपा से ये विजय श्री हासिल हुई है।

साथ ही पुष्पा दीदी जी का आशीर्वाद आश्रम में रहने वाली ब्रह्माकुमारी बहनों एवं भाईयों की शुभभावनाओं का ये प्रतिफल है। इसके लिए मैं इन सबका धन्यवाद करता हूँ। साथ ही मेरे शिक्षकों का जिन्होंने मेरे लिए कड़ी मेहनत की है उनका भी धन्यवाद है। इस अवसर पर शीतलेश भाई के कोच भ्राता अमित अजवानी, दली राजहरा से पधारें भ्राता हरिताथ जी, रामेश्वर जी, मनीष गौतम सहित उनके अनेक साथीगण उपस्थित थे। साथ ही ब्रह्माकुमारी प्रभा बहन, रंभा बहन, चंदा बहन, सुनंदा बहन, पूजा बहन ही, माहेश्वरी बहन, लोकिता बहन, ब्रह्माकुमारी मुरलीधर सोमानी भाई, अर्जुन भाई, दयाराम भाई, मुकेश भाई, हिंदू जागरण मंच के संयोजक भ्राता आदर्श राजपूत सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। ब्रह्माकुमारी झालम भाई ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा भ्राता रामेश्वर जी ने आभार प्रदर्शन किया।

इंस्पायर इंटरनशिप साइंस कैंप प्रोग्राम में 8 बच्चों का चयन

डोंगरगांव (दावा)। स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय डोंगरगांव के 8 बच्चों का चयन कलिंगा यूनिवर्सिटी कोटनी, नया रायपुर में 05 दिनों के निःशुल्क इंस्पायर इंटरनशिप साइंस कैंप प्रोग्राम के लिए हुआ है। विद्यालय के प्राचार्य भरतलाल देवांगन ने बताया कि यह कैंप 22 से 26 जुलाई तक होगा।

लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार ऐसे बच्चे जिन्होंने 10 वीं बोर्ड में टॉप 1 प्रशिक्षण में जगह बनाई है, वे सभी इस प्रोग्राम के लिए पात्र हैं। इस कैंप का उद्देश्य युवाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह कैंप प्रतिभाशाली छात्रों को प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान करेगा जिससे उनकी ज्ञानवर्धन और प्रेरणा का स्तर बढ़ेगा। इस कैंप के दौरान विभिन्न कार्यशालाओं, प्रयोगशालाओं और परियोजना कार्यों का आयोजन किया जाएगा।

विद्यालय के 11वीं विज्ञान संकाय से लुकिता साहू, तनवीर कुमार नायक, रीतू साहू, खुशी देवांगन, नोविषा ठाकुर, ईशा निपाद, समीक्षा महानंद, युवराज साहू को 5 दिवसीय साइंस इंस्पायर इंटरनशिप प्रोग्राम के लिए भेजा गया है। सभी चयनित बच्चों को विद्यालय के प्राचार्य भरतलाल देवांगन और संस्था से इंस्पायर अवार्ड प्रभारी संदीप वर्मा ने शुभकामनाएं दीं।

विद्यालय के 11वीं विज्ञान संकाय से लुकिता साहू, तनवीर कुमार नायक, रीतू साहू, खुशी देवांगन, नोविषा ठाकुर, ईशा निपाद, समीक्षा महानंद, युवराज साहू को 5 दिवसीय साइंस इंस्पायर इंटरनशिप प्रोग्राम के लिए भेजा गया है। सभी चयनित बच्चों को विद्यालय के प्राचार्य भरतलाल देवांगन और संस्था से इंस्पायर अवार्ड प्रभारी संदीप वर्मा ने शुभकामनाएं दीं।

हायर सेकेण्डरी स्कूल महारम मनाया गया त्वास पूर्णिमा

डोंगरगांव (दावा)। अंचल के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महारम विकासखंड छुईया में 22 जुलाई सोमवार को गुरु पूर्णिमा का कार्यक्रम आयोजन किया गया। इसमें बच्चों के द्वारा गुरु के संदर्भ में अपनी बातें बताई गईं एवं प्राचार्य वृजभान कुमार सिन्हा द्वारा शिक्षक गुरु शिष्य परंपरा के संबंध में सारगर्भित उद्बोधन दिया गया। साथ ही व्याख्याता दताराम निषाद ने गुरु शिष्य परंपरा के अंतर्गत आरंभ एवं धैर्य ऋषि और एकलव्य-द्रोणाचार्य की गुरु शिष्य परंपरा संबंधित बातें बताईं। इस दौरान व्याख्याता एस.के.सोमसवार ने बताया कि वेदव्यस की जन्मोत्सव

को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। गौतम सिंह साहू के द्वारा परशुराम एवं कर्ण के गुरु शिष्य परंपरा के विषय में सारगर्भित उद्बोधन दिया गया। मंच का सफल संचालन व्याख्याता बसंत कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में व्याख्याता कृति बन्धु, स्वाति जैन, कुमारी महेश्वरी कोठारी, व्याख्याता क्षत्रपाल दुबे, शिखा श्रीवास्तव, सुंदर कुमार ठाकुर, लता गोआर्य, रेखचंद देवांगन, शिक्षक सतीश सिंह ठाकुर, मुकेश सिंह साहू, सहयक ग्रेड छत्रलाल साहू, रमेश कुमार देवांगन एवं आनंद खेरें सभी ने गुरु पूर्णिमा की कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना अमूल्य योगदान दिया।

श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी निर्देशानुसार 22 जुलाई को गुरु पूर्णिमा का पर्व। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला लखौली ग्राम में सावन के प्रथम सोमवार को हर्षोद्भव व उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त शिक्षक सोनूराम साहू, वार्ड 36 के पाषंड प्रतिनिधि आशीष डोंगर, दैनिक सुबह का प्रहरी व्यूरो चौक अंकलू साहू के संयुक्त आतिथ्य में आयोजित किया गया। अतिथि द्वय द्वारा सर्वप्रथम विद्या की देवी मां सरस्वती जी के तैलचित्र पर चंदनभिषेक, माल्यापण कर मां शारदे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान बच्चों ने अपने गुरुओं व आगतुक अतिथियों की आरती कर तिलक लगाकर गुलदस्ता व श्रीफल व पेन भेंट कर गुरुजनों का आशीर्वाद लिया। इस दौरान सेवानिवृत्त शिक्षक सोनूराम साहू ने अपने उद्बोधन में अनुभव साझा कर बच्चों को कलेक्टर बनने के लिए प्रेरित किया। पाषंड प्रतिनिधि आशीष डोंगर ने कहा कि गुरु जी छात्र-छात्राएं जो आर्थिक रूप से पाठ्य सामग्री नहीं ले पाते हैं उन्हें सहयोग करने का भरोसा दिलाया। अपने अतिथि उद्धार में पत्रकार अंकलू

साहू ने शिक्षकों व स्कूल में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को गुरु पूर्णिमा पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं देते श्लोक का वाचन। गुरुब्रह्मा गुरुब्रह्मिणुः गुरुदेवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः। कर छात्रों को कृतसंकल्पित होकर भीड़ से हटकर कुछ बनने के लिए एकाग्रता के साथ लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ने पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन लोमन साहू व आभार व्यक्त शिक्षक ठाकुर सर ने किया। उक्त जानकारी सोनी गुरु जी ने दी।

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में संचालित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु आज जिला पंचायत सभा कक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुरेश सिंह द्वारा समीक्षा बैठक ली गई। स्वयंसेवी शिक्षकों का पंजीयन असाक्षरों का पंजीयन सर्वे एवं पोर्टल में एंट्री के कार्य को गति प्रदान करने हेतु कहा गया। उल्लास कार्यक्रम के वातावरण निर्माण हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन शिक्षार्थी एवं स्वयंसेवी शिक्षकों का चिन्हांकन एवं डाटा एंट्री की समीक्षा की गई। करने कहा गया है। सितंबर 2024 व मार्च 2025 में आयोजित होने वाले मूल्यांकन आकलन परीक्षा की तैयारी की समीक्षा की गई। बैठक में अंत में उल्लास शपथ दिलाई गई।

सर्वे एवं एंट्री हेतु समय सीमा असाक्षरों/स्वयं सेवी शिक्षकों के चिन्हांकन एक सप्ताह में करने हेतु निर्दिष्ट किया गया एवं आगामी सप्ताह तक समीक्षा की जाएगी। इस माह के अंत तक सर्वे एवं डाटा एंट्री का कार्य पूर्ण

दुर्गा मंदिर प्रांगण करमरी में मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

डोंगरगांव (दावा)। अंचल के ग्राम करमरी में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर 21 जुलाई रविवार को समस्त शिष्य परिवार द्वारा गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें सदगुरु पंडित कामता प्रसाद तिवारी का पूज्य प्रखालन, गुरु वंदना व पूजा अर्चना करमरी सहित आसपास के शिष्य परिवार द्वारा किया गया। इस दौरान श्री गुरुचरण मानस परिवार बालाजी धाम कन्याडबरी से टीकम साहू द्वारा गुरु महिमा पर व्याख्यान दिया और श्री साहू जी द्वारा भजन सुनाया गया। अंत में गुरु आरती एवम् महारसदी वितरण हुआ।

सक्रिय माताओं के बीच विविध गतिविधियों का आयोजन

डोंगरगांव (दावा)। अंचल के ग्राम चांदे शासकीय प्राथमिक शाला में मंगलवार को शिक्षा सप्ताह के दूसरे दिन एफएलएन दिवस के मौके पर सक्रिय माताओं के बीच विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। एफएलएन में स्मार्ट टीव्ही तथा सम्पर्क डिवाइस का योगदान, अभ्यास पुस्तिका का उपयोग, डिफेंडिंग का प्रदर्शन, ई जादुई पिटाटा का इस्तेमाल करना, आईव्हीआरएस का प्रयोग, तेज सीखने के लिए समुदाय व माताओं योगदान एवं सेल्फी विथ सर्वसेस कमाल का बखूबी प्रस्तुतिकरण

किया गया। आज के कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक शिक्षिकाओं को एफएलएन में महत्वपूर्ण योगदान व सीखने में बेहतर डिजिटल उपयोग हेतु प्रोत्साहित किया गया। इसी तरह उल्लास कार्यक्रम में असाक्षरों को प्रोत्साहन करने एवं सीखने-सिखाने के सुगम वातावरण निर्माण के भी उचित सहयोग व मार्गदर्शन किया गया। इसके साथ ही अंगना में शिक्षा के अंतर्गत खेल-खेल में शिक्षा हेतु स्मार्ट माताओं का उन्मुखीकरण कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक कोर कमेटी के सदस्य दीपमाला साहू प्रधानपाठक प्राथमिक शाला, मंजालपाथरी व धनेश्री विनायक शिक्षिका पूर्व माध्यमिक शाला कोलिहालमती व प्रधानपाठक उपस्थित रहे।

यादव समाज ने खेली में मनाया गुरु पूर्णिमा का पर्व

राजनांदगांव (दावा)। समीप ग्राम खेली में यादव समाज के संयोजन में गुरु पूर्णिमा मनाए जाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन में सभी वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ताओं का गुरु रूप में सम्मान किया गया जिसमें विशेष रूप से ग्राम मनकी तोरणकटा, सुंदर, खैय, खेली सभी जगह के यादव बहुजन उपस्थित थे। आयोजन पश्चात समाज द्वारा नए पंच सरपंच का भी चुनाव किया गया।

बघेरा में मनाया गया टीएलएम दिवस

राजनांदगांव (दावा)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के 4 वर्ष पूर्ण होने पर पूरे भारत देश में दिनांक 22 जुलाई से 28 जुलाई तक शिक्षा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है इस अवसर पर दिनांक 22 जुलाई 2024 को टीएलएम दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस कड़ी में ग्राम बघेरा के पूर्व माध्यमिक शाला में भी टीएलएम दिवस का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय सामग्रीयों का उपयोग कर टीएलएम निर्माण कर कक्षा में प्रस्तुतिकरण किया गया। इसमें हिंदी, संस्कृत, गणित एवं विज्ञान विषय के मॉडल एवं

स्वास्थ्य विभाग द्वारा सिकलसेल जाँच शिविर का आयोजन

डोंगरगांव (दावा)। स्वास्थ्य विभाग डोंगरगांव द्वारा सिकलसेल जाँच शिविर का आयोजन कर छात्र-छात्राओं को बीमारी के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए उपचार के संबंध में बताया गया। हेल्थ डिपार्टमेंट के अधिकारी कर्मचारियों ने शहर के केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, खालसा पब्लिक स्कूल, सेंट पेलोटी, संस्कार पब्लिक स्कूल, सरस्वती शिशु मंदीर सेंट पीटर कन्वेंट स्कूल में सिकल सेल प्रोग्राम के तहत शिविर आयोजित किया गया।

सिकलसेल (एनमिया रोग) की पहचान जरूरी - डॉ. एल्ला

स्वास्थ्य विभाग द्वारा सिकलसेल जाँच शिविर का आयोजन शहर के सभी विद्यालयों में जाँच शिविर आयोजित रक्त कोशिकाएँ सी शेष, अर्ध चंद्राकार या सिकल सेल में बदल जाती है। सिकल सेल (एनमिया) के निम्न प्रमुख लक्षण पाए जाते हैं जैसे कि खून की कमी होना, मौसम बदलने पर बीमार होना, थकावट व सांस फूलना, बार बार बुखार आना, सर्दी खाँसी होना सहित हाथ पैरों तथा जोड़ों में सूजन होना। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बताया कि सिकल सेल प्रोग्राम के तहत 0 से 40 साल तक के सभी लोगों का टेस्ट किया जाना है, वहीं अब 40 से 70 साल तक के लोगों का टेस्ट किया जा चुके हैं जिसमें 77 लोग पाजेटीव रहे जिनको सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रिफर कर इलाज जारी है।

विधानसभा का घेराव करके कुंभकरण नींद में सोई भाजपा सरकार को उनके शपथ की याद दिलवाना है- मदन साहू

राजनांदगांव (दावा)। जिला किसान कांग्रेस राजनांदगांव के अध्यक्ष मदन साहू ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करके बताया कि उत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार उत्तीसगढ़ प्रदेश में सरकार चलाने में पुरी तरीके से असफल हो चुकी है। भाजपा सरकार के मंत्री सरकार बनने के समय लिए गए अपने संविधानिक उतर दायित्व के सपथ को पूरा करने में पुरी तरह विफल रहे प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज ही नहीं बची है जिसका सबसे बड़ा उदाहरण है वलौदा बाजार में हुई घटना, चंद असामाजिक तत्व प्रदेश के कानून के रखवाले कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक

तरीके से असुरक्षित हो गई हैं जिसके कारण छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज जी को सरकार को उसकी कुंभ करणी नींद से जगाने और प्रदेश की जनता के प्रति जवाबदेही बनाने के लिए दिनांक 24 जुलाई दिन बुधवार समय दोपहर 12 विधानसभा घेराव करने का निर्णय करना पड़ा, जिसका छत्तीसगढ़ प्रदेश की दो कड़ों जनता ने स्वागत किया है। जिला किसान कांग्रेस राजनांदगांव किसानों से अनुरोध करती है कि दिनांक 24 जुलाई दिन बुधवार समय दोपहर 12 स्थान मंडी गेट पंडरी रायपुर में होने वाले विधानसभा घेराव कार्यक्रम में शामिल होकर जय जवान, जय किसान के दायित्व का निर्वाह करते हुए प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति बहाल करवाने के लिए किए गए विधानसभा घेराव कार्यक्रम को सफल बनाएं।

पत्नी को रस्सी से गला घोट कर फांसी में चढ़ाने पर आजीवन कारावास

बीजापुर (दावा)। आरोपी संदीप वर्मा पिता ओमकार वर्मा उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम बिजापुर के द्वारा अपनी पत्नी को दिनांक 11 मार्च 2023 को रात्रि करीबन 12.30 से 1.00 बजे के मध्य घर के सभी सदस्य जस झांकी देखने गठे थे तभी आरोपी एवं उसकी पत्नी घर में थी, घर के सदस्यगण रात्रि 1.00 बजे आया तब मृतिका मीना बाई की चार माह का पुत्र रो रहा था तभी मृतिका की जेठानी बच्चे का रोने का आवाज सुनकर मृतिका के कमरे में गठी वहा मृतिका नही थी तब चिन्तन में जाकर देखा तो मृतिका मीना

बाई बास के कांड में फांसी के फंदे पर लटका हुआ था।

आरोपी ने फंदे से नीचे उतर कर वही सुला दिया और फंदे से लगे हुए रस्सी को छुड़ा दिया और सुबह मोहारा थाना में सूचना दिया कि मृतिका मीना बाई गच्छे में फांसी लगाकर मृत हो गया है जिसे मैं फंदे से नीचे उतारा हूँ। पुलिस थाना मोहारा द्वारा उक्त घटना का 0/2023 में कायमी कर कार्यालयिक दृष्टिकोण से जाँच करार शॉर्ट पी.एम. रिपोर्ट प्राप्त होने पर डॉक्टर द्वारा रिपोर्ट में हेमोसाइट मृतिका का मृत्यु होना पाया, सास रक्कने का कारण गला घोटना बताया। आरोपी से पुछताछ के दौरान आरोपी द्वारा मृतिका को नायलोन की रस्सी से गला घोटना स्वीकार कर रस्सी को जस कराय गया, आरोपी के विरूद्ध साक्ष्य समुत्त पाये

‘उल्लास’ नवभारत साक्षरता कार्यक्रम समीक्षा बैठक संपन्न

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में संचालित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु आज जिला पंचायत सभा कक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुरेश सिंह द्वारा समीक्षा बैठक ली गई। स्वयंसेवी शिक्षकों का पंजीयन असाक्षरों का पंजीयन सर्वे एवं पोर्टल में एंट्री के कार्य को गति प्रदान करने हेतु कहा गया। उल्लास कार्यक्रम के वातावरण निर्माण हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन शिक्षार्थी एवं स्वयंसेवी शिक्षकों का चिन्हांकन एवं डाटा एंट्री की समीक्षा की गई। करने कहा गया है। सितंबर 2024 व मार्च 2025 में आयोजित होने वाले मूल्यांकन आकलन परीक्षा की तैयारी की समीक्षा की गई। बैठक में अंत में उल्लास शपथ दिलाई गई।

पंजीयन करने प्रोत्साहित करने कहा गया। इस कार्य में संबंधित प्रचार्य ग्राम प्रभारी को सहयोग प्रदान करे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफरिश एवं संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य के अनुसार 2030 तक सभी युवा प्रौढ पुरुष एवं महिलाओं को शत प्रतिशत बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान प्रदान करना है राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत अनुसंधान एवं भारत सरकार द्वारा उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम सभी के लिए शिक्षा हेतु प्रारंभ की गई है इस कार्यक्रम के अंतर्गत 15 वर्ष से अधिक उमर के असाक्षरों को शत प्रतिशत साक्षर किए जाने का लक्ष्य है। आज की बैठक में श्रीमती रिमि सिंह जिला परियोजना अधिकारी, गुरपीत कौर कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, आदर्श वासुदेव ए.पी.सी. समग्र शिक्षा सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी, सभी स्रोत समन्वयक, साक्षरता कार्यक्रम प्रभारी, सभी बी.पी.एम.आजीविका मिशन, संस्कृत समन्वयक, विकासखंड राजनांदगांव के स्कूलों के प्रधान पाठक उपस्थित रहे, एवं सभी जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में जुड़े।

हाईकोर्ट ने वार्ड परिसीमन पर लगाई रोक

राजनांदगांव (दावा)। बिलासपुर हाईकोर्ट ने वार्ड परिसीमन पर रोक लगाई है। कोर्ट के इस फैसले से राज्य सरकार को तगड़ा झटका लगा है। राजनांदगांव नगर निगम, कुम्हारी नगर पालिका व बमेतरा नगर पंचायत में वार्डों के परिसीमन को लेकर चुनौती दी गई थी। राज्य सरकार ने प्रदेशभर के निकायों के वार्ड परिसीमन के लिए वर्ष 2011 की जनगणना को आधार माना है। वर्ष 2014 व 2019 में भी राज्य सरकार ने वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन किया था। कोर्ट ने पूछा कि जब आधा एक ही है तो इस वार्ड परिसीमन का कार्य क्यों किया जा रहा। आगामी दिनों होने वाले नगरी निकाय चुनाव को देखते हुए राज्य शासन द्वारा वार्डों के परिसीमन किए जाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। वार्ड परिसीमन की पहली सूची का जारी भी हो गई है। केवल दावा-आपत्ति मांगे जाने के पश्चात इसका निराकरण किया जाना था। तत्पश्चात वार्ड परिसीमन के अंतिम सूची का प्रकाशन होना था। उसके पहले ही राजनांदगांव नगरी

निकाय चुनाव के लिए किए गए वार्ड परिसीमन पर कोर्ट ने रोक लगा दी गई है। गुरुवार को 3 बजे दोपहर हाईकोर्ट की लगी स्टे के बाद शहर के 51 वार्डों की परिसीमन की प्रक्रिया रूक जाएगी। जब तक हाईकोर्ट में सुनवाई नहीं हो जाती वार्ड परिसीमन के अंतिम सूची का प्रकाशन नहीं किया जा सकेगा। बता दें कि शहर के 51 वार्डों में मात्र 23 वार्डों की सीमाएं बदली हैं। लेकिन बाकी वार्ड यथावत हैं। शेष वार्ड सन 2014 की औसत जनसंख्या के अनुरूप 3198 रखी गई हैं। इस परिसीमन में मात्र कैलाशनगर वार्ड को दो हिस्सों में विभाजित किया गया है। कैलाश नगर वार्ड क्रं. 30 को विभाजित कर वार्ड क्रं 29 बनाया गया है।

शासन को भेजे गए दावा-आपत्ति
बता दें कि वार्डों के परिसीमन का प्रथम प्रकाशन होने के बाद 25 जुलाई तक दावा आपत्ति की मांग की गई थी। एसडीएम अतुल विश्वकर्मा ने बताया कि 75 की संख्या में प्राप्त दावा आपत्ति को

बनाकर राज्य शासन को भेजा जा चुका है। अब शासन पर निर्भर करता है कि प्राप्त दावा आपत्ति की निराकरण किस ढंग से करे। इसके बाद प्रकाशित होने वाले अंतिम सूची का प्रकाशन होगा या नहीं यह अलग बात है।

किस तरह का स्थगन

एसडीएम अतुल विश्वकर्मा ने बताया कि अभी उन्हें हाईकोर्ट के स्टे की कापी मिली नहीं है और यह किस तरह का स्टे है, यह भी नहीं मालूम। उन्होंने बताया कि स्टे कई तरह के होते हैं। परिसीमन प्रक्रिया से संबंधित स्टे या फिर प्रकाशन से संबंधित स्टे या फिर अन्य कार्यों से संबंधित स्टे लगा हो तो पूरी जानकारी परिसीमन पर स्थगन आदेश की कापी आने पर ही पता चल पाएगा। फिलहाल शासन को 75 की संख्या में प्राप्त दावा आपत्ति को भेजा जा चुका है।

प्रक्रिया को लेकर स्थगन

बता दें कि शहर के 51 वार्डों के परिसीमन

कार्य चलते ही शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुलबीर खड्ड ने निर्वाचन आयोग में आपत्ति दर्ज करा दी थी। मामला हाईकोर्ट में गया है।

कोर्ट का आरोप है कि वार्डों के परिसीमन में मनमानी की गई है। वरिष्ठ पाषंड व कांग्रेस के शहर अध्यक्ष कुलबीर खड्ड का कहना है कि धारा 10, 4 के तहत निकाय चुनाव के छह महीने पहले ही परिसीमन प्रक्रिया पूरा किया जाना होता है। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। अब जब नगरीय निकाय चुनाव मात्र 5 महीना शेष है तब तक न तो परिसीमन की प्रक्रिया पूरी की गई थी और न दावा आपत्ति की प्रक्रिया पूरी हो पाई है। इधर वार्डों में आरक्षण को लेकर भी श्री खड्ड आपत्ति दर्ज की है। जब वार्डों का परिसीमन हुआ है तो वार्डों की जनसंख्या व मतदाता भी प्रभावित हुई है। इसका असर एसटी, एससी के आरक्षण पर भी पड़ा है। इसलिए यह प्रक्रिया आंशिक-अधूरी जान पड़ती है। अतः इस पर हाईकोर्ट द्वारा रोक लगा दिया गया है। स्थगन की कापी आज शुक्रवार को प्राप्त हो जाएगी।

मेडिकल कॉलेज में फायनल इयर की छात्रा डॉ. केशर ने गर्ल्स हास्टल में फांसी लगाकर की आत्महत्या

राजनांदगांव (दावा)। पेण्ड्री स्थित मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हास्टल में रहने वाली फायनल इयर की छात्रा ने फांसी लगाकर कर आत्महत्या कर ली। घटना बुधवार और गुरुवार के दरम्यान रात के बाद लगभग 5 बजे की बताई जाती है। सुबह जब हास्टल के अन्य छात्राओं को पता चला तब मामले को लेकर हास्टल में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते मेडिकल कैम्पस में लोगों की भीड़ लग गई। केशर को फांसी से उतारकर उसके शव को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सुरक्षित रखवा दिया गया है।

आत्महत्या करने वाली फायनल इयर की छात्रा का नाम केशर गोदारा बताया जाता है। उसने अपने कमरे में लगे पंखे में चुनरी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बीकानेर राजस्थान की रहने वाली छात्रा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के हास्टल में रहकर मेडिकल की पढ़ाई कर रही थी। बताया जाता है कि उस पर पढ़ाई का ज्यादा दबाव था। 24 वर्षीय मेडिकल की छात्रा केशर की घटना के संबंध में जानकारी राजस्थान स्थित उनके माता-पिता तक पहुंचा दी गई है। उनके आने तक छात्रा के शव को सुरक्षित रखवा दिया गया



लालबाग थाना प्रभारी नवतर कश्यप ने बताया कि गुरुवार को मेडिकल कॉलेज की छात्राओं का फस्ट टर्मिनल एक्जाम था। केशर गोदारा के साथी छात्रा एकांजना के तैयारी में जुटी हुई थी। एक छात्रा ने बुधवार की रात उसे फोन भी किया था। लेकिन रिवाइज नहीं आने पर सो गई होगी, समझकर आगे और भी डिस्टर्ब नहीं किया। जब सभी छात्रा फस्ट टर्मिनल एक्जाम के लिए गए तो केशर गोदारा के नहीं दिखने पर हास्टल अधीक्षक को इसकी जानकारी दी गई। लोग केशर गोदारा के कमरे को जाकर देखा तो दरवाजा बंद पाया। काफी मशकत के बाद दरवाजा खोला गया और देखा तो लोगों के होश उड़ गए। केशर पंखे से लटककर झेल रही थी उसका शरीर टंड पड़ गया था।

मुझे छात्रा के संबंध में दोपहर के समय वार्डन ने बताया। राजस्थान उसके माता-पिता के पास जानकारी भेज दी गई है।
- रेणुका गहने (डीन), मेडिकल कॉलेज अस्पताल, पेण्ड्री

जिला पंचायत परिसर में हुआ पौधरोपण



राजनांदगांव (दावा)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरुचि सिंह ने आज जिला पंचायत परिसर में पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि पौधरोपण के साथ ही पौधों की देखरेख भी जरूरी है। उन्होंने पौधों को समय-समय पर पानी देने कहा। इस अवसर पर जिला पंचायत के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

कर्तव्यों में लापरवाही बरतने पर सचिवों को किया गया निलंबित

राजनांदगांव (दावा)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरुचि सिंह ने ग्रामीणों से प्राप्त शिकायतों की जांच पश्चात जनपद पंचायत डोंगरगढ़ अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मेढ़ा के पूर्व सचिव एवं वर्तमान सचिव ग्राम पंचायत कोल्हापुरी (नवागांव) प्रकाश रामटेके तथा पूर्व सचिव एवं वर्तमान सचिव ग्राम पंचायत अउरदा मनहरण राजे को पदीय कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने एवं उच्च कार्यालयों के निर्देशों का पालन नहीं किये जाने के कारण निलंबित कर दिया है।

निलंबन अवधि में प्रकाश रामटेके का मुख्यालय जनपद पंचायत डोंगरगढ़ एवं

मनहरण राजे का मुख्यालय जनपद पंचायत राजनांदगांव निर्धारित किया गया है। निलंबित सचिवों को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता का पत्रता होगी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजनांदगांव सुश्री सुरुचि सिंह ने मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिला अंतर्गत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मोहला से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार सचिव संलन जनपद पंचायत मोहला जितेंद्र कुमार धुव एवं सचिव ग्राम पंचायत झूमरटोला तिलक राम हेडामे को अपने पदीय कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने एवं उच्च कार्यालयों के निर्देशों का पालन नहीं किये जाने के कारण

तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में सचिवों का मुख्यालय जनपद पंचायत मोहला निर्धारित किया गया है। इसी तरह मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अम्बागढ़ चौकी से प्राप्त प्रतिवेदन अनुसार सचिव ग्राम पंचायत आरसे हेमटोल कोमरे को पदीय कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने एवं उच्च कार्यालयों के निर्देशों का पालन नहीं किये जाने के कारण निलंबित किया कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जनपद पंचायत अम्बागढ़ चौकी निर्धारित किया गया है। निलंबित सचिवों को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता का पत्रता होगी।



राजनांदगांव (दावा)। जिला भाजयुमो राजनांदगांव के द्वारा वरिष्ठ भाजपा नेता खूगचंद पारख व मोनू बहादुर की अगुवायी में कारगिल विजय दिवस के ऐतिहासिक अवसर की पूर्व संध्या मशाल यात्रा निकाली गई।

विधायक कुंवर सिंह निषाद ने किसना में किया डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण, लोगों को गुरुपूर्णिमा की बधाई दी

राजनांदगांव (दावा)। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुंडरेडो विधायक कुंवर सिंह निषाद ने बीते दिनों बालोदा जिले के विकासखण्ड डोंडी लोहरा के ग्राम किसना के मिडिल स्कूल परिसर में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर बारिश की रिमझिम फुहारों के बीच उन्होंने कहा कि महामानव, भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. अम्बेडकर ने भारतीय संविधान की रचना कर सम्प्रभुता, सामाजिक न्याय विश्व बंधुत्व का संदेश दिया। सरपंच ग्राम पंचायत किसना सरपंच श्रीमती सुनीता खारडें के मांगपत्र पर विधायक निषाद ने मिडिल स्कूल परिसर में मंच के शोड निर्माण एवं प्रतिमा के अहता (स्टील रैलिंग) निर्माण की स्वीकृति प्रदान की। विधायक श्री निषाद ने आगे कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने शिक्षित बनो, संगठित हो और संघर्ष करो का नारा दिया था। उनके द्वारा बताया



गए मार्ग और सिद्धांत आज भी प्रासंगिक है। विधायक ने कहा कि मेरा बचपन डॉ. अम्बेडकर एवं बौद्ध धर्म के अनुयायियों के बीच बिता है। नागपुर की दीक्षा भूमि का मेने भ्रमण किया है। बाबा साहब की आदम कद प्रतिमा ग्राम किसना निवासी प्राथमिक स्कूल के प्रथम बैच के पूर्व छात्र रहे एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के सेवानिवृत्त परियोजना प्रशासक द्वारिका प्रसाद लोन्हारे द्वारा प्रदान की गई है। गुरु पूर्णिमा के दिन संयोग से श्री लोन्हारे का साहू तुलाराम बनपेला सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

अनावरण समारोह में शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के सेवानिवृत्त प्रचार्य डॉ. के.एल. टंडेकर, सेवानिवृत्त डीडीओ अर्जुन मेश्राम ने अपने सम्बोधन में कहा कि बाबा साहब ने भारत को एक मजबूत संविधान देकर लोगों के अधिकारों की रक्षा की। उनके द्वारा निर्मित संविधान भारत की एकता और अखंडता की भावना को मजबूत करता है। स्कूली बच्चों ने आकर्षक संस्कृतिक कार्यक्रमों प्रस्तुति दी। इस अवसर पर सेवानिवृत्त सिविल सर्जन डॉ. सतीश मेश्राम, बी पी वासनिक, ग्राम पटेल जगदीश गंजीर, ग्रामवासी डी पी लोन्हारे, जे पी मेश्राम प्राथमिक शाला विकास समिति के अध्यक्ष योगेश रजक मीडिल स्कूल शाहा विकास समिति के अध्यक्ष टहलाराम साहू तुलाराम बनपेला सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

प्रसिद्ध शिक्षाविद् अभिषेक खंडेलवाल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कार्यशालाएं आयोजित

राजनांदगांव (दावा)। अंबुजा विद्यापीठ रावन, बलोदा बाजार और अजीज पब्लिक स्कूल राजनांदगांव ने हाल ही में प्रसिद्ध शिक्षाविद् अभिषेक खंडेलवाल द्वारा आयोजित कार्यशालाओं की मेजबानी की, जिसमें शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की परिवर्तनकारी क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

कोटा और इंदौर जैसे प्रमुख शैक्षिक केंद्रों में पढ़ाये हुए शिक्षक एवं व्यापक अनुभव वाले शिक्षा विशेषज्ञ श्री खंडेलवाल ने शिक्षण पद्धतियों और छात्र अधिगम के परिणामों को बढ़ाने के लिए एआई का उपयोग करने पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने तेजी से विकसित हो रहे शैक्षिक परिदृश्य में आगे रहने की लिए नवीन तकनीकों को अपनाने के महत्व पर जोर दिया। अंबुजा विद्यापीठ रावन में एआई



कार्यशाला के अलावा, श्री खंडेलवाल ने अजीज पब्लिक स्कूल राजनांदगांव में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर एक कार्यशाला भी आयोजित की, जिसमें शिक्षकों के लिए इसके निहितार्थ और कार्यान्वयन रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। अपने शानदार करियर के दौरान, अभिषेक खंडेलवाल ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और राजस्थान में 2000 से अधिक शिक्षकों को सशक्त बनाया है, उन्हें

अपने पेशे में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आधुनिक ज्ञान और कौशल से लैस किया है।

उनकी कार्यशालाओं को उनकी आकर्षक सामग्री, इंटरैक्टिव दृष्टिकोण और कार्यवाही योग्य निष्कर्षों के लिए व्यापक रूप से सराहा गया है, जो शिक्षण समुदाय पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ते हैं। आर.के.सी. ग्रुप आफ इंस्टीट्यूट्स के अकेडमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल शिक्षा के उत्कृष्ट उद्देश्यों के प्रति सदैव समर्पित रहते हैं। डॉ. जे.बी. सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रबंध समिति की अध्यक्ष डॉ. श्रीमती सविता जे.बी. सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, निदेशक संजय बहादुर सिंह, सातंत बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, बरसर आई के वैष्णव ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

शिविर के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने पहुंच रहा जिला प्रशासन - मधुसूदन यादव

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत भरेंगांव में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामवासी

राजनांदगांव (दावा)। जिला स्तरीय समस्या निवारण शिविर का आयोजन आज राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत भरेंगांव में आयोजित किया गया। शिविर स्थल पर पूर्व सांसद मधुसूदन यादव, अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक सचिन बघेल, रमेश पटेल, कलेक्टर संजय अग्रवाल, सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरुचि सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने पौधरोपण किया। जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाया गया। शिविर में मछली पालन विभाग के हिताग्रहियों को आईस वाक्स, मछली जाल, कृषि विभाग के हिताग्रहियों को पावर स्पेयर, उद्यानिकी विभाग के हिताग्रहियों को बीज वितरण किया गया। इसी तरह खाद्य विभाग द्वारा 5 हिताग्रहियों को राशन कार्ड वितरण किया गया। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नन्हे बच्चों का अन्नप्रशन्न और गर्भवती महिलाओं की गोदभरई किया गया। वन विभाग द्वारा शिविर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधों का वितरण किया गया।

पूर्व सांसद मधुसूदन यादव ने कहा कि शासन की मंशा अनुरूप जिला प्रशासन जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से ग्रामीणों तक पहुंचकर समस्याओं का निराकरण कर रही है। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविर में जिला स्तर

के सभी अधिकारी उपस्थित रहते हैं, जो अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही समस्याओं का समाधान भी करते हैं। उन्होंने भू-जल के गिरते स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ी को पानी की समस्या से जुझना पड़ सकता है। इस समस्या से निजात के लिए जिला प्रशासन द्वारा जल संरक्षण के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए आमजन भी आगे आकर जल संरक्षण के कार्य में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने किसानों को धान के बदले अन्य कम पानी की आवश्यकता वाले फसल लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शासकीय एवं सामुदायिक भवनों में वाटर रिचार्जिंग तकनीक का उपयोग से जल संरक्षण किया जा सकता है। श्री यादव ने कहा कि घुमंतू पशुओं के कारण फसलों को नुकसान एवं सड़क दुर्घटना से पशुधनि के साथ ही जनहानि भी होती है, जिससे बचने के लिए पशु पालकों को अपने पशुओं को घर पर ही रखना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण में शामिल होकर अपनी समस्याओं का निराकरण करने का आग्रह किया।

अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक सचिन बघेल ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जनसामान्य की समस्याओं का निराकरण करने के लिए जनसमस्या शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों एवं जनसामान्य की समस्याओं के



जनसामान्य स्टॉल का अवलोकन कर शासन की योजनाओं का लाभ लें - कलेक्टर, कलेक्टर ग्रामवासियों से हुए रूबरू
हिताग्रहियों को पावर स्पेयर, आईस वाक्स, मछली जाल, राशन कार्ड का किया गया वितरण

निराकरण के लिए आज जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन यहां किया गया है। शिविर में सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित हैं। शासन की विभिन्न प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी इस शिविर के माध्यम से दी जा रही है। शिविर में स्टॉल लगाकर लोगों की शंकाओं का समाधान भी किया जा रहा है। जो निराकरण शिविर में हो सकते हैं उसे शिविर में ही किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के माध्यम से किसानों को खाद-बीज का वितरण किया गया है। अभी 31 जुलाई 2024 तक खरीफ फसलों का बीमा कराया जा

रहा है। उन्होंने सभी किसानों से आग्रह किया कि वे फसल बीमा जरूर कराएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के माध्यम से ग्रामीण स्तर को ईकाई बनाकरके उसका निर्धारण किया जाता है और तत्काल फसल बीमा की राशि का भुगतान भी किया जा रहा है। साथ ही एवं अग्रणी किसानों को फसल बीमा का लाभ अवश्य उठाने कहा।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि जनसामान्य की समस्याओं का निराकरण करने के लिए जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में जिला स्तर के सभी अधिकारी उपस्थित हैं। सभी

विभाग शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के साथ स्टॉल लगाए गए हैं। उन्होंने नागरिकों से सभी स्टॉल का अवलोकन करने कहा और पात्र होने पर योजनाओं का लाभ लेने कहा। उन्होंने शिशुवती माताओं और गर्भवती महिलाओं को पोष्टिक आहार लेने की सलाह दी। इसके साथ ही स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने कहा। उन्होंने कहा कि कमजोर शरीर में जल्दी से बीमारियां आती हैं जिसके बचाव के लिए स्वच्छता और अच्छे भोजन करना आवश्यक है। उन्होंने ऊर्जा, प्रोटीन, विटामिन युक्त भोजन लेने कहा। उन्होंने भोजन में दाल, रोटी, हरी सब्जी शामिल करने कहा जो घर पर ही उपलब्ध हो जाती है। कलेक्टर ने पानी संरक्षण के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि दुनिया में पीने योग्य पानी 1 प्रतिशत है, जो नदी, तालाब, नहर, वर्षा जल से मिलता है उसे संरक्षित करना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मवेशियों के कारण सड़क दुर्घटनाएं बढ़ी हैं। इसे रोकने के लिए मवेशियों को खुले में नहीं छोड़ने के लिए ग्रामीण स्तर पर कार्य करने कहा। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में सिकल सेल, टीबी, शुगर, खून जांच ब्लड प्रेशर जांच किया गया तथा निःशुल्क दवाईयों का वितरण किया गया। आयुर्वेद विभाग के स्टॉल में ब्लड प्रेशर, स्त्री रोग के संबंध में जानकारी प्रदान की गई और

आयुर्वेद दवाईयों का वितरण किया गया। शिविर में जिला स्तरीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग में शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। परिवहन विभाग द्वारा लॉगिंग लायसेंस बनाया गया। इसी तरह आंध्र नवीनीकरण एवं पंजीयन कर विभाग, जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में राजस्व एवं आयदा प्रबंधन विभाग, कृषि विभाग, मत्स्य विभाग, उद्यानिकी विभाग, खाद्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, समाज कल्याण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, पुलिस, ग्राम विभाग, लीड बैंक, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जल संसाधन विभाग, मुख्यालय ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, लोक निर्माण विभाग, रेशम पालन विभाग, हथकरघा विभाग, शिक्षा विभाग, परिवहन विभाग, आबकारी विभाग और खनिज विभाग द्वारा स्टॉल लगाकर जनसामान्य को शासकीय योजनाओं की जानकारी और लाभान्वित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य अशोक देवमुक्त निरमलकर, सरपंच भरेंगांव विभाग, हथकरघा विभाग, चंद्राकर, सरपंच पारीखुर्द बुद्धेश्वर साहू, सरपंच बैराटोला योगेश निर्मलकर, सरपंच श्रीमती रितु साहू, सरपंच आरला खेमदास साहू, उष सरपंच रोहित चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।